A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 03 मई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 196 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बहुत छोटा है मेरा घर
उसमें एक ही दरवाज़ा है
उसी से मैं आता जाता हूँ
और उसी से सुख दुख ..
वे आकर बैठ जाते हैं
दरी पर मेरे अगल बगल
मैं चाहता हूँ कि सुख रहे
और दुख जाए
पर कितना भी ठेलो
वह नहीं टलता
सुख का सहोदर है न
सुख उसे जाने नहीं देता !

– नरेश जैन

प्रसंगवश

केरल : मुस्लिम महिला शरीयत कानून के खिलाफ लड़ रही लड़ाई

थेरेस सुदीप

केरल के अलप्पुझा की साफिया पीएम एक मिशन पर निकली हैं। वह इस्लाम में विश्वास नहीं करती फिर भी वह शरीयत कानून के बंधन से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। अब वह चाहती हैं कि सुप्रीम कोर्ट भी उन्हें नास्तिक घोषित कर दे। यह उनकी इकलौती बेटी को उनकी सारी संपत्ति विरासत में मिलने की दिशा में पहला कदम है- शरीयत कानून इसका केवल आधा हिस्सा उनकी बेटी को देने की इजाज़त देता है, और बाकी का आधा हिस्सा साफ़िया के भाई को जाएगा। ऐसे समय में जब समान नागरिक संहिता एक गर्म राजनीतिक मुद्दा है, तब साफ़िया का मामला महिलाओं के प्रति मुस्लिम पर्सनल लॉ के भेदभावपूर्ण तत्वों के बारे में रोशनी डालता है।

वह चाहती है कि अदालत इस मामले का समाधान करे जिसके मुताबिक किसी व्यक्तिगत के साथ उसी कानून के तहत व्यवहार किया जाता है जिसमें उसका जन्म हुआ है। इस मामले में उनका एंट्री प्वाइंट विरासत से जुड़ा अधिकार है। वह धर्मनिरपेक्ष भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (Indian Succession Act 1925) का लाभ तभी उठा सकती है जब शीर्ष अदालत उन्हें नास्तिक घोषित कर दे।

50 साल की साफिया ने बताया, 'मैंने इस्लाम छोड़ दिया क्योंकि धर्म के नियम और परंपराएं महिलाओं के खिलाफ हैं। और फिर भी, ऐसा निर्णय लेने के बाद भी, इस्लाम मुझे अपनी ही संपत्ति विरासत में देने में बाधा बन रहा है। इसका कोई समाधान निकालने की जरूरत है।'

मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 के अनुसार, एक मुस्लिम महिला अपने परिवार की संपत्ति के एक तिहाई से अधिक की उत्तराधिकारी नहीं हो सकती है। यदि वह अकेली संतान है, तो वह अपने परिवार की संपत्ति का अधिकतम 50 प्रतिशत प्राप्त कर सकती है, जबकि शेष राशि किसी पुरुष रिश्तेदार को दी जाती है। साफिया सिर्फ कागजों पर मुस्लिम हैं। उनके पिता भी नास्तिक हैं। वह कहती हैं, 'मेरी मां का धर्म में विश्वास था लेकिन मेरे ऊपर किसी धर्म को मानने का दबाव नहीं डाला गया। मुझे अपना रास्ता चुनने की आज़ादी थी।'

वह उस जोखिम से अच्छी तरह वाकिफ हैं जो उनके उनके जैसे लोगों को उठाना पड़ता है। साफ़िया केरल के तार्किक संगठन एक्स-मुस्लिम समूह की महासचिव हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर 2020 में पंजीकृत किया गया था। वह आगे कहती हैं, यह किसी भी एशियाई देश में अपनी तरह का पहला मामला है। साफिया कहती हैं, 'किसी न किसी दिन तो इन मुद्दों को उठाना ही होगा।' हालांकि, सिर्फ नास्तिक होना कानून की नज़र में पर्याप्त नहीं है। धर्मनिरपेक्ष उत्तराधिकार अधिनियम का लाभ उठाने के लिए किसी को भी कानूनी रूप से नास्तिक घोषित किया जाना चाहिए। और अधिनियम की धारा 58 विशेष रूप से भारत में मुसलमानों पर इसे लागू होने से छूट देती है।

इस कानूनी प्रोविज़न का मतलब है कि उसे अपने पिता की संपत्ति का केवल एक-तिहाई हिस्सा मिलेगा। साफ़िया कहती हैं, 'इसे बदलने के लिए, उन्हें अदालतों में जाकर खुद को नास्तिक घोषित करना होगा।' वह यह भी बताती हैं कि मुस्लिम पर्सनल लॉ की धारा 2 उनके पिता को उपहार या वसीयत के रूप में उससे अधिक राशि हस्तांतरित करने से रोकती है।

साफिया इस्लाम या कुरान के केंद्रीय सिद्धांतों में विश्वास नहीं करती है। वह कहती हैं, 'धर्म के अनुसार एक पुरुष दो महिलाओं के बराबर है। यही वह तर्क है जिसके द्वारा शरिया कानून में उत्तराधिकार के नियमों का मसौदा तैयार किया गया है। यह अन्याय के अलावा और कुछ नहीं है।' लेकिन वह खुद को नॉन प्रैक्टिसिंग मुस्लिम मानती हैं। 'मैं अभी भी ईद के लिए नए कपड़े खरीदती हूं और बिरयानी बनाती हूं,' वह हंसती है, 'लेकिन मैं रोज़ा नहीं रखती और नमाज़ नहीं पढ़ती।'

इसीलिए वह इस लड़ाई को देश की शीर्ष अदालत तक ले गई हैं। साफ़िया सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पहले दायर की गई एक याचिका का भी हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य 'सर्वव्यापी मुस्लिम पर्सनल लॉ में मौजूद संविधान-विरोधी तत्वों को खत्म करना और इसे सभी के लिए समावेशी और स्वीकार्य बनाना' है।

उनके अनुसार, पर्सनल लॉ के कई विवाह, तलाक और गोद लेने जैसे कई पहलू विवादास्पद हैं। उन्होंने विरासत वाले मामले पर फोकस करने का फैसला किया क्योंकि यह '100 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं' को प्रभावित करता है। कभी महंगी मछलियों की खेती करने वाली किसान साफिया कहती हैं, 'हमें कहीं न कहीं से शुरुआत करनी होगी। जहां भी मुझे लगता है कि कोई समस्या है, मैं उसे ठीक करने में लग जाती हूं। मुझे यह भी उम्मीद है कि यह दूसरों के लिए लड़ाई में शामिल होने के लिए एक प्रेरणा बनेगा।'

सिंगल मदर या अकेली मां साफिया के लिए विरासत का मुद्दा एक व्यक्तिगत मामला है। उनकी एक मात्र बेटी है, और उनकी संपत्ति का आधा हिस्सा व उनके पिता की संपत्ति का दो-तिहाई हिस्सा पाने वाला नामित पुरुष रिश्तेदार, उनका भाई, डाउन सिंड्रोम से पीड़ित है। लेकिन साफिया को सम्पत्ति का एक तिहाई ही मुझे मिलेगा, यह भेदभाव है। साफ़िया कहती हैं, '95 प्रतिशत लोग सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। महिलाएं बदलाव के लिए तुरंत आवाज़ उठाती हैं। पुरुष अधिक झिझकते हैं। 'वे कहते हैं कि ये 'अल्लाह के कानून' हैं और इसे बदला नहीं जा सकता।' कुछ रिश्तेदारों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन साफिया डटी हुई हैं।

सिर्फ साफ़िया जैसे एक्स-मुस्लिमों ने ही मुस्लिम पर्सनल लॉ के मुद्दे को नहीं उठाया है। बीजेपी के लिए भी यह पसंदीदा मुद्दा है। शुक्रवार को भोपाल में एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहा कि भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि भारत 'समान नागरिक संहिता पर चलेगा।'

लेकिन साफ़िया इसे कोई समाधान नहीं मानती, कम से कम इसके मौजूदा स्वरूप में तो नहीं। यह बताते हुए कि हिंदू महिलाओं को भी 2005 के बाद ही पिता की संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला। वह कहती हैं, 'आप सिर्फ मुस्लिम पर्सनल लॉ को निशाना नहीं बना सकते, जबकि हिंदू पर्सनल लॉ भी उतने ही खराब हैं। यूसीसी के साथ अब समस्या यह है कि इस बात का डर व्याप्त है कि यह अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को निशाना बनाएगा। अगर यह सभी नागरिकों- पुरुषों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर, हिंदू, ईसाई, मुस्लिम- को समान मानता है तो मैं इसका स्वागत करूंगी।' फिलहाल साफिया को संविधान के धर्मनिरपेक्ष प्रावधानों तक नास्तिक लोगों के पहुंच के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन करने के लिए लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं दिखता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

गुजरात चुनावी सभा में पीएम मोदी का राहुल गांधी पर बड़ा तंज

कांग्रेस कमजोर हो रही है...लेकिन पाकिस्तान शहजादे को पीएम बनाने को उतावला है

- **पाकिस्तान के फवाद चौधरी ने की थी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ**

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा तंज कसा है। गुजरात के आणंद में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि शहजादे को पीएम बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पीएम मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तानी नेता कांग्रेस के लिए दुआ कर रहे हैं और शहजादे को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पीएम मोदी ने यह टिप्पणी पीटीआई प्रमुख इमरान खान के करीबी और पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई पोस्ट के बाद की।चौधरी ने अपने हैंडल पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का समर्थन करते हुए एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें राहुल गांधी

अयोध्या में हुए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र कर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। फवाद चौधरी ने इस वीडियो को एक्स हैंडल पर दोबारा पोस्ट करते हुए लिखा है कि 'राहुल ऑन फायर'।

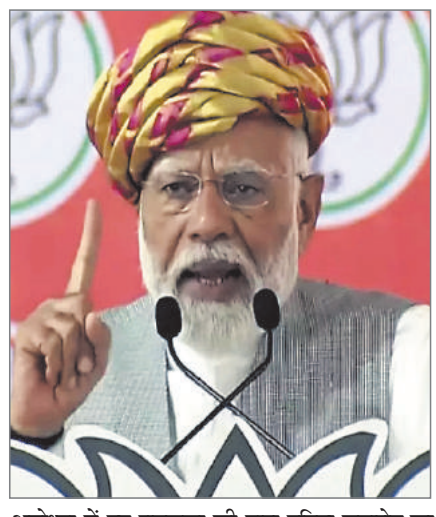

फवाद चौधरी की टिप्पणी से वार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीटीआई के नेता की पोस्ट का जिक्र करते हुए चुनावी रैली में राहुल गांधी को निशाने पर लिया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यानी सूक्ष्मदर्शी यंत्र लेकर भी कांग्रेस को ढूंढना मुश्किल हो रहा है, लेकिन मजे की बात ये है कि यहां कांग्रेस मर रही है और वहां पाकिस्तान रो रहा है। पीएम मोदी ने एक बार फिर से दोहराया कि जब तक वे जीवित हैं तब तक धर्म के नाम पर आरक्षण नहीं देने देंगे। मोदी ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस) अपने घोषणा पत्र में लिखित में कहा है कि अब जो सरकारी टेंडर होंगे, उसमें भी मुसलमानों के लिए एक कोटा फिक्स कर दिया जाएगा। अब सरकारी ठेकों में भी धर्म के आधार पर आरक्षण लाया जाएगा, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

कलकत्ता हाईकोर्ट बोला-

संदेशखाली केस में सीबीआई जांच सही दिशा में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट में गुरुवार (2 मई) को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी पार्टी बनाने की परमिशन दे दी है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उसे पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों का जांच में सहयोग नहीं मिल रहा है। मामले में एजेंसी की जांच जारी है। ऐसे में कोर्ट एजेंसी की रिपोर्ट का खुलासा करना नहीं करना चाहेगा। क्योंकि इससे जांच पर असर पड़ सकता है।

राजस्थान सरकार सुनिश्चित करे कि प्रदेश में कोई बाल विवाह नहीं हो : उच्च न्यायालय

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अक्षय तृतीया से पहले उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कोई बाल विवाह नहीं हो। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि बाल विवाह होने पर सरपंच और पंच को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। बाल विवाह की कई घटनाएं मुख्य रूप से अक्षय तृतीया पर होती हैं। अक्षय तृतीया इस बार 10 मई को है।

उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने बाल विवाह को रोकने के लिए

हस्तक्षेप की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू होने के बावजूद, राज्य में बाल विवाह अब भी हो रहे हैं। अदालत ने कहा कि हालांकि अधिकारियों के प्रयासों के कारण बाल विवाह की संख्या में कमी आई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। याचिकाकर्ताओं के वकील आरपी सिंह ने कहा कि अदालत को एक सूची भी उपलब्ध कराई गई जिसमें बाल विवाह और उनकी निर्धारित तिथियों का विवरण था।

खंडपीठ ने कहा, राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के अनुसार, बाल विवाह को प्रतिबंधित करने का कर्तव्य सरपंच पर डाला गया है। इस प्रकार, एक अंतरिम उपाय के रूप में, हम राज्य को निर्देश देंगे कि वह राज्य में होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए की गई जांच के संबंध में रिपोर्ट मांगे और उस सूची पर भी पैनी नजर रखे जो जनहित याचिका के साथ संलग्न है। आदेश में कहा गया है, ''उत्तरदाताओं को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में कोई बाल विवाह नहीं हो। सरपंच और पंच को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए और उन्हें सूचित किया जाना चाहिए कि यदि वे बाल विवाह को रोकने में विफल रहते हैं, तो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की धारा 11 के तहत उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

मुरैना में प्रियंका गांधी बोलीं

बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा

महंगाई इतनी की बच्चों को पढ़ाना लिखाना मुश्किल

मुरैना (नप्र)। प्रियंका गांधी ने मुरैना में कहा कि ये वीरों की धरती है। ये पवित्र धरती है। उन्होंने कहा कि देश में पिछले 10 साल से नरेंद्र मोदी की सरकार है। आज देश में बड़ी-बड़ी समस्याएं है। ये बात आपको समझनी होगी। कांग्रेस ने मुरैना से सत्यपाल नीटू सिकरवार को प्रत्याशी बनाया है। उनका मुकाबला भाजपा के शिवमंगल सिंह तोमर से है।

देश में बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा– देश में 10 साल से नरेंद्र मोदी की सरकार है। वो किस तरह की सरकार है। उसने आपके लिए क्या-क्या किया, क्या-क्या नहीं किया। ये बात आपको समझनी पड़ेगी। आपकी परिस्थिति क्या है। आज देश में बड़ी बड़ी समस्याएं है।

बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा है। माता-पिता मेहनत से बच्चों को पढ़ाते हैं। चाहते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्जवल हो। महंगाई इतनी बढ़ गई है कि इतना करना भी मुश्किल है। मिट्टी का तेल, दाल, सब्जियों सबका भाव बढ़ गया है।

शिप्रा में डुबकी लगाकर बोले सीएम यादव

कुछ लोग प्रश्न करते हैं, बहुत दुख होता है

कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा था- नदी में इंदौर की गंदगी गिर रही

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन आए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार सुबह शिप्रा के दत्त अखाड़ा घाट पहुंच गए। उन्होंने नदी में डुबकी लगाई, तैराकी भी की। आचमन के बाद सीएम ने कहा, उज्जैन की पहचान मां क्षिप्रा से है। हमारी परंपरा है स्नान के बाद तीर्थ की महत्ता बढ़ाएं, लेकिन बड़ा दुख होता है कि कुछ लोग मां शिप्रा पर प्रश्न करते हैं।

कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री आज उज्जैन आए। वे फ्रीगंज इलाके में आयुष्मान लाभ विस्तार अभियान में शामिल हुए। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत फॉर्म भरवाए। नव मतदाता और लाभार्थियों से मुलाकात की।

23 अप्रैल को शिप्रा में मिल रहे गंदे नाले के पानी को लेकर तराना से विधायक व उज्जैन लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने सरकार पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, पिछले 20 साल से मध्यप्रदेश में और 10 साल से देश में भाजपा की सरकार है। धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग कहां हैं? 40-50 लाख इंदौर वासियों का मल-मूत्र रोज इसमें मिलता है।

महेश परमार ने यह भी कहा था, शिप्रा मां

अशुद्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने शिप्रा मां को शुद्ध करने की शपथ ली थी। टिकट मिलने पर डुबकी लगाई थी। 600-1000 करोड़ खर्च हो गए। बात सनातन, महाकाल और प्रभु श्रीराम की करते हैं, मां शिप्रा को शुद्ध नहीं कर पाए।

20 साल पहले उज्जैन को नवंबर-दिसंबर के बाद क्षिप्रा का पानी नहीं मिलता था– मुख्यमंत्री ने परमार का नाम लिए बिना कहा, सभी जानते हैं कि मां का तट है, इसकी पवित्रता बनाई रखनी चाहिए। शिप्रा का पानी हरा-भरा है, मई के महीने में भी पानी है। नदी में स्नान करने का आनंद ही अलग है। उन्होंने कहा, कल से यहां पंचकोशी की बड़ी परिक्रमा प्रारंभ होगी। उज्जैन में हमारी सरकार द्वारा किए गए काम के कारण पूरे साल नदी का जल मिल रहा है, मुझे इस बात का संतोष है। आज से 20 साल पहले यहां नवंबर-दिसंबर के बाद पानी नहीं मिलता था।

सीएम बोले- नई सरकार बनने पर गोपाल कृष्ण भी मुस्कुराएंगे

उज्जैन में संत समागम एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा, आज भी कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अयोध्या में भगवान राम के दर्शन के लिए नहीं जा रहे। क्यों नहीं जा रहे? क्योंकि उनको लगता है कि दूसरे धर्म के वोट नहीं मिलेंगे। ये उनकी गलतफहमी है। उन्होंने कहा, आज भगवान राम का आनंद आया है। कल नई सरकार बनेगी। निश्चित रूप से गोपाल कृष्ण भी मुस्कुराएंगे।

साधु-संतों का आशीर्वाद लिया, हनुमान मंदिर में दर्शन किए

मुख्यमंत्री दत्त अखाड़े के साधु - संतों का आशीर्वाद लेने पहुंचे। इसके बाद उन्होंने भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया के लिए वार्ड - 38 में जनसंपर्क किया। भाजपा के संभागीय कार्यालय शक्ति भवन में अखंड ज्योति हनुमान मंदिर में दर्शन किए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 03 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

दिन के इस समय ट्रेन में आपकी सीट पर नहीं बैठ सकता कोई

टीटीई भी नहीं करेगा पूछताछ, यह है नियम

नईदिल्ली (एजेंसी)। बचपन से लेकर अब तक हम सभी ट्रेन में सफर करते आ रहे हैं। अपने शहर से किसी दूसरे शहर जाने के लिए ट्रेन सबसे अच्छा विकल्प है। यह सुरक्षित है और आरामदायक भी। हालांकि, कभी- कभी ट्रेन का सफर भी दुखदायी बन जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हम रेलवे के नियमों से अंजान हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे ने कई नियम बनाए हैं। लेकिन आधे से ज्यादा यात्रियों को इसकी जानकारी नहीं होती और उन्हें यात्रा के दौरान कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो आइए जानते हैं उन नियमों के बारे में, जो अगर हर यात्रा को पता हों, तो यात्रा सुगम और सरल बन सकती है।

थ्री टियर कोच में यात्रा का यह है नियम

ज्यादातर मिडिल क्लास लोग थ्री टियर कोच में सफर करते हैं। इसमें लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत मिडिल बर्थ को लेकर होती है। दरअसल, लोअर बर्थ वाला व्यक्ति देर रात तक बैठा रहता है, जिससे मिडिल बर्थ वाला व्यक्ति बर्थ खोल नहीं पाता। इसके अलावा कई बार मिडिल बर्थ का यात्री देर रात तक लोअर बर्थ पर बैठा रहता है, जिससे लोअर बर्थ वाले को सोने में दिक्कत आती है। कभी-कभी तो इस बात को लेकर झगड़ा तक हो जाता है।

यह है नियम

अगर मिडिल बर्थ को लेकर आपके साथ भी यह दिक्कत आई है, तो इसका मतलब साफ है कि आपको नियम नहीं पता। लेकिन अगर अब कोई आपसे रात 10 बजे के बाद मिडिल बर्थ खोलने की मनाही करता है, तो आप उसे रेलवे के इस नियम के बारे में बता सकते हैं। जिसमें यात्री रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक के बीच मिडिल बर्थ खोलकर रख सकते हैं। यानी की अगर आपकी लोअर बर्थ है, तो मिडिल और अपर बर्थ वाला व्यक्ति रात 10 बजे के बाद नीचे सीट पर नहीं बैठ सकता।

इस समय टिकट नहीं कर सकते चैक- रात में ट्रेन का सफर अच्छा तो लगता है, लेकिन इस दौरान यात्रियों को एक और परेशानी का सामना करना पड़ता है। वो है टिकट चैक करवाना।

रेवन्ना मामले पर बोले राहुल गांधी

पीएम मोदी ने 'मास रेपिस्ट' के लिए वोट मांगकर महिलाओं का अपमान किया, मांगे माफी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि हासन जद (एस) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं के साथ बलात्कार किया और उनके वीडियो बनाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना के लिए वोट मांग कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सभी महिलाओं का अपमान किया है, उन्हें देश की महिलाओं से हाथ जोड़कर, सिर झुकाकर माफी मांगनी चाहिए। नरेंद्र मोदी भरे मंच से उस बलात्कारी का समर्थन करते हैं और कहते हैं- अगर आपने इस बलात्कारी को वोट दिया तो मेरी मदद होगी। कर्नाटक के शिवमोगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह बातें कहीं।

प्रज्वल पर महिलाओं के यौन शोषण का आरोप- पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल पर महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है।

- राहुल का अमेठी से चुनाव लड़ना तय,राहुल के नाम से ऑनलाइन नामांकन फॉर्म खरीदा, आज नॉमिनेशन की आखिरी तारीख

अमेठी से राहुल गांधी का चुनाव लड़ना लगभग तय है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि राहुल गांधी के नाम से अमेठी से ऑनलाइन नामांकन फॉर्म खरीदा गया है। वह कल नामांकन कर सकते हैं। गुरुवार सुबह को अमेठी पहुंचे सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा ने कहा-गांधी परिवार का सदस्य ही चुनाव लड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल लड़ेंगे? उन्होंने कहा- सारी तैयारियां उनके ही लिए है। किसी दूसरे व्यक्ति के लिए नहीं। गुरुवार को गांधी परिवार के नामांकन का काम देखने वाले वकील केसी कौशिक पहले रायबरेली और फिर अमेठी पहुंचे। ऐसे में कयास यह भी है कि प्रियंका रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी की दो हॉट सीटों पर भाजपा ने खोले पत्ते

- कैसरगंज से करण भूषण और रायबरेली से दिनेश प्रताप को दिया टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में यूपी की सबसे हॉट सीट पर भाजपा ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने रायबरेली लोकसभा सीट से दिनेश प्रताप सिंह को

उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस अभी इस सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतार पाई है। इसके साथ ही भाजपा ने कैसरगंज लोकसभा सीट पर टिकट की पहेली सुलझाते हुए करण भूषण सिंह को प्रत्याशी बनाया है। करण भूषण भाजपा सांसद बृज भूषण सिंह के पुत्र हैं।

खरगे का भाजपा पर हमला

नफरत फैलाने के बजाए अपनी सरकार के कामकाज पर वोट मांगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बृहस्पतिवार को तीखा हमला किया और कहा कि जब चुनाव खत्म हो जाएंगे तब लोग उन्हें केवल ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद करेंगे जो हार से बचने के लिए ''झूठ से भरे विभाजनकारी और सांप्रदायिक भाषण देते थे। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री से अपील की वह ''नफरत फैलाने वाले भाषण देने के बजाए अपनी सरकार के पिछले 10वर्ष के कामकाज पर वोट मांगें।

नर्मदापुरम में रेलवे ट्रैक पर ओएचई केबल टूटी, जबलपुर-इटारसी का अप ट्रैक बंद

इटारसी (नप्र)। नर्मदापुरम में जबलपुर-इटारसी के बीच रेलवे ट्रैक की ओएचई केबल टूट गई। घटना गुरुवार शाम 5:25 बजे सालीचौका रेलवे स्टेशन की है। इससे जबलपुर से इटारसी जाने वाला अप ट्रैक बंद हो गया है। कई ट्रेनों के रूट प्रभावित हुए हैं। जनता एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया है।

विदिशा के सिरोंज में कहा- ये गठबंधन परिवार की पार्टियों का जमावड़ा

इंडी गठबंधन भ्रष्टाचारियों को बचाने का टोला : जेपी नड्डा

सिरोंज (नप्र)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि मध्यप्रदेश कभी बीमारू राज्यों में शामिल था। ये कहानी 20 साल पुरानी है। जब से बीजेपी सत्ता में आई। अब एमपी देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है।

नड्डा सागर लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले विदिशा जिले के सिरोंज में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव भी मौजूद हैं। बीजेपी ने सागर लोकसभा सीट पर लता वानखेड़े को प्रत्याशी बनाया है।

घर में घुसकर मारने की ताकत मोदी के नेतृत्व में आई- नड्डा ने कहा- पहले बार्डर पर जब पाकिस्तान से गोलियां चलती थी, तो जवान को जवाब देने का हुक्म नहीं था। वो दिल्ली से ऑर्डर का इंतजार करता था। जब से मोदी जी आए हैं। उनका आदेश है जहां से गोली गोली चली

है, वहां से मुंह तोड़ जवाब देकर आना।

बीजेपी अध्यक्ष ने कहा- पुलवामा में किसी ने हरकत की। तो बालाकोट में एयर स्ट्राइक हो गया। उरी में किसी ने हिम्मत की भारत के जवानों को तकलीफ देने की। तो सर्जिकल स्ट्राइक हो गया। आज घर में घुसकर मारने की ताकत पीएम मोदी के नेतृत्व में आई है।

मोदी जी की नीतियों ने गरीबों, किसानों को ताकत दी

बीजेपी अध्यक्ष ने कहा- मोदी जी के नेतृत्व में गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, युवा, किसान, महिला इनको अगर किसी ने ताकत दी है तो प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों ने ताकत दी है।

भारत 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना

जेपी नड्डा ने कहा- मोदी जी के नेतृत्व में देश की 25 करोड़ जनता गरीबी की रेखा से निकल गई है। भारत आज जो 10 साल पहले आर्थिक जगत में 11वें नंबर पर था। आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया। अब दो साल के अंदर तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

कभी बीमारू था, आज एमपी अग्रणी राज्यों में खड़ा

सिरोंज में नड्डा ने कहा- मध्यप्रदेश बीमारू राज्य कहा जाता था। ये बीस साल पहले की कहानी है। जब से भाजपा की सरकार यहां पर आई तो मध्यप्रदेश अब अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है।

प्रियंका गांधी बोलीं-

पीएम मोदी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी स्कीम लाए

- चिरमिरी में कहा- अब कोविड सर्टिफिकेट से पीएम की फोटो गायब हो गई

कोरबा (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, मोदी जी खुद को बड़ा ईमानदार बताते हैं, लेकिन इस देश में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी स्कीम लेकर आए। यह स्कीम थी, जो चंदा देगा, उसका नाम गुप्त रहेगा। इसके तहत अपने बड़े-बड़े मित्रों से चंदा लिया। पहले उनके ऊपर छापा मारा, फिर चंदा लेकर जांच बंद कर दी। उन्होंने गुजरात में पुल गिरने की घटना का उदाहरण भी दिया।

प्रियंका गुरुवार को कोरबा लोकसभा के चिरमिरी में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कोविड वैक्सीन 'कोवीशील्ड' को लेकर आई रिपोर्ट का भी जिक्र किया। कहा कि, टीका लगवाकर कुछ लोग मर गए, कुछ बीमार हो गए। पहले सर्टिफिकेट मिलता था, तो उसमें मोदी जी की फोटो होती थी, लेकिन अब लगवाओगे तो नहीं मिलेगी। मोदी जी की सरकार में गरीबों के साथ अन्याय हुआ, खरबपतियों और उद्योगपतियों के साथ नहीं हुआ।

राजनाथ बोले-रूडी ट्रेंड पायलट, सभी को हवा में उड़ा देंगे

नॉमिनेशन के बाद बीजेपी सांसद ने कहा- रोहिणी से कोई लड़ाई नहीं, लालू-राजद से है

छपरा (एजेंसी)। सारण के वर्तमान सांसद और बीजेपी प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी आज नॉमिनेशन किया। नामांकन के बाद राजेंद्र स्टेडियम में जनसभा हुई। जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद,

शाहनवाज हुसैन समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि राजीव प्रताप रूडी एक कुशल पायलट हैं, मुझे भरोसा है कि वो बाकी सभी को हवा में उड़ा देंगे। आगे उन्होंने कहा कि सारण की जनता को पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में लालटेन युग की वापसी नहीं होनी चाहिए।

बालू घाट पर 50 राउंड फायरिंग,2 मजदूरों की मौत

आरा (भोजपुर) (एजेंसी)। भोजपुर में गुरुवार सुबह 7 बजे घाट पर बालू माफियाओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई हुई। इस दौरान करीब 50 राउंड फायरिंग हुई। घाट पर काम कर रहे 2 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में छपरा के डोरीगंज थाना के सुरथपुर पंचायत निवासी हूंगी महतो के बेटे विकास महतो (20) और चकिया गांव निवासी तुलसी राय के बेटे सुदर्शन राय (40) शामिल है।

दिल्ली के स्कूलों के बाद अब राष्ट्रपति भवन को बम से उड़ाने की धमकी

कॉलर बोला- 15 मिनट के अंदर फट जाएगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के कंट्रोल रूम में बम की कॉल आने से हड़कंप मच गया। कॉल करने वाले ने पुलिस से कहा कि राष्ट्रपति भवन में बम रख दिया है, 15 मिनट के अंदर फट जाएगा। यह बात कहते ही कॉलर ने फोन बंद कर लिया। कॉल आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस ने मशक्कत कर आरोपित को दबोच लिया। आरोपित की पहचान रविंद्र तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से एक मोबाइल बरामद किया है।

थाना पुलिस की कई टीमें अलर्ट- पुलिस ने बताया कि एक पीसीआर को कॉल मिली कि राष्ट्रपति भवन में बम रख दिया है। कॉल करने वाले ने अपना नंबर भी बंद कर दिया था। थाना पुलिस के अलावा कई टीमों को अलर्ट किया गया। पुलिस ने नंबर के बारे में जानकारी निकाली और लोकेशन निकाली।

शराब के नशे में शख्स ने की कॉल- इसके जरिये पुलिस सादतपुर पहुंची और आरोपित को दबोच लिया। पुलिस और आईबी ने उससे लंबी पूछताछ की। पुलिस को पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पेशे से मजदूर है और उसने शराब के नशे में पुलिस को कॉल की थी।

संकट मोचन संगीत समारोह

रह-रह कर खूब याद आये हरे राम द्विवेदी

राजेन्द्र शर्मा

(लेखक कलाविज्ञ और उप्र सरकार में अधिकारी हैं)

संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वें आयोजन में ऐसे श्रोता जो सालों साल से यहां आते रहे है, उन्हें हर रोज एक कलाकार के बाद दूसरे कलाकार के मंच पर आने के अंतराल के बीच पंडित हरे राम द्विवेदी रह रह कर याद आये और खूब याद आये और याद आये भी क्यों ना। जिसे व्यक्ति को वर्ष 1994 से वर्ष 2023 तक कुल तीस सालों से अधिक समय तक संकट मोचन संगीत समारोह के बेहतरीन संचालक के रुप में देखा हो, उसकी याद आना स्वाभाविक है। ज्ञान के भंडार पंडित हरे राम द्विवेदी अपने हंसमुख स्वभाव की वजह से 87 साल की उम्र में बीस बरस के श्रोता के लिऐ हरे भैया ही थे। श्रोता हो, युवा कलाकार हो या बड़ा कलाकार हो, सब के लिए पंडित जी हरे भैया ही थे।

वाराणसी से सटे जिले मिर्जापुर जिले के शेरवां गांव में पंडित शुकदेव द्विवेदी के आंगन में तीसरे पुत्र के रूप में 12 मार्च 1936 को जन्मे हरिराम द्विवेदी ने प्राथमिक शिक्षा गांव शैरवा के प्राइमरी स्कूल और जूनियर हाईस्कूल चौकिया, हाईस्कूल की परीक्षा कमच्छा वाराणसी, इंटरमीडिएट पीडीएनडी इंटरमीडिएट कॉलेज चुनार से उतीर्ण करने के बाद स्नातक काशी हिंदू विश्वविधालय और स्नातकोत्तर की डिग्री काशी विद्यापीठ से प्राप्त की । आजीविका के लिए हरे भैया ने यद्यपि काशी हिंदू विश्वविद्यालय से बीएड भी किया था परन्तु उस समय हिंदी साहित्य भोजपुरी पतझड़ के दौर से गुजर रहा था तो हरिराम द्विवेदी ने लाल पलास के फूल की तरह लोक साहित्य परंपरा को आगे बढ़ाने के काम को जीवन का मिशन बनाया और इसके लिए अध्यापक का ख्याल छोड़ उस समय के जनसंचार के सबसे बडा साधन आकाशवाणी से जुड़ना ही उन्हें बेहतर लगा।

हरिराम द्विवेदी साल 1958 में आकाशवाणी रेडियो इलाहाबाद में ग्रामीण कार्यक्रम कृषि जगत में प्रवेश कर हरि भईया के नाम से प्रख्यात हुए। सन् 1967 से 72 तक आकाशवाणी रामपुर एवं गोरखपुर में सेवा की। फिर आकाशवाणी वाराणसी रेडियो कलाकार के रूप में वर्ष 1976 में आ गए। लगभग तीस वर्षो तक आकाशवाणी की प्रसारण सेवा में संबंध रखने के बाद मार्च 1994 में सेवानिवृत्त हुए। आकाशवाणी में नौकरी करते हुए अपने मिशन के तहत हरे भैया ने भोजपुरी के प्रतिष्ठित कवियों में अपने आप को स्थापित किया । गौरतलब है कि हरि भईया की एक दर्जन से अधिक कुल चौदह हिंदी एवं भोजपुरी कृतियां प्रकाशित हुई । इसमें नदियां गइल दुबराय, अंगनइया, जीवनदायिनी गंगा, पानी कहै कहानी, हाशिए का दर्द, पातारी वीर, फुलवारी, रमता जोगी, बैन फकीरा, लोकगीत का दोहावली आदि प्रमुख है । हरि भईया को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से वर्ष 1983 में राहुल सांकृत्यान पुरस्कार से सम्मानित किया। हिंदी साहित्य सारस्वत सम्मान, लोक पुरूष सम्मान, साहित्य अकादमी के भाषा सम्मान, विश्व भोजपुरी संघ द्वारा पुरबिया गौरव सम्मान तथा वर्ष 2011 में विश्व भोजपुरी सम्मेलन द्वारा भोजपुरी के सर्वोच्च सम्मान से उन्हें नवाजा गया ।

आकाशवाणी के अपने सेवाकाल में ही वर्ष 1976 में वाराणसी आने पर हरे भैया संकट मोचन संगीत समारोह से जुड़ गये और शेष जीवन पर्यन्त संकट मोचन संगीत समारोह से जुड़े रहे । संकट मोचन मंदिर के तत्कालीन महंत वीरभद्र मिश्र, जिनके बारे में प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कंकना बनर्जी कहती है कि वीरभद्र मिश्र जैसे व्यक्तित्व एक सदी में एक दो ही जन्म लेता है, ने हरे भैया के प्रतिभा को पहचाना और यथोचित्त सम्मान दिया । वर्ष 1976 से 2012 तक का काल खंड संकट मोचन संगीत समारोह के एक सौ एक वर्ष के इतिहास में विशेष महत्व का है , इस काल खंड में ही संकट मोचन संगीत समारोह ने स्थानीयता से ऊपर उठकर राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान कायम की। ऐसे महत्वपूर्ण काल खंड में हरे भैया अपने तई जो सेवायें संकट मोचन के दरबार में समर्थित कर सकते थे, उन्होनें अपना सौ फीसदी दिया।

वर्ष 1994 में आकाशवाणी के अनुभव के क्रम में महंत वीरभद्र मिश्र ने उन्हें संचालन की जिम्मेदारी सोंपी। अपनी इस भूमिका को उन्होनें इतनी शिददत से निर्वाहन किया गया कि उनके निधन होने तक संकट मोचन संगीत समारोह का संचालन कौर करेगा, इस विषय पर कभी सोचने की जरुरत ही नही पड़ी।

वर्ष 2024 में आठ जनवरी को 88 साल की उम्र में पंडित हरे राम द्विवेदी प्रभुलोक वासी हो गये। इस बार के एक सौ एक वें आयोजन का संचालन का दायित्व ख्यात उद्घोषिका श्रीमति साधना श्रीवास्तव (दिल्ली) और युवा कवि, रंगकर्मी, समीक्षक व्योमेश शुक्ल (वाराणसी) को सोंपा गया। बीच-बीच में इनका साथ वाराणसी की युवा जगदेश्वरी ने दिया। श्रीमति साधना श्रीवास्तव ने उदघोषिका के अपने फन और व्योमेश शुक्ल ने अपने हरफनमौला व्यक्तित्व के दम पर बेहतर संचालन किया,जिसकी सराहना की जानी चाहिए किन्तु पंडित हरे राम द्विवेदी के तीस वर्षो के बेहतरीन संचालन का इसे जलवा ही कहना चाहिए कि श्रोताओं और कलाकारों को आयोजन की हर निशा में अपने हरे भैया की याद रह रह कर खूब आई।

संकट मोचन संगीत समारोह के प्रति हरे भैया का इस कदर समर्पण था कि वर्षो पुरानी एक एक चीज, एक एक घटनाक्रम उन्हें कंठस्थ याद था। एक मायने में हरे भैया इन्साईक्लोपीडिया आफ संकट मोचन संगीत समारोह थे। शताब्दी आयोजन के समय इन पंक्तियों के लेखक ने उन्हें कहा था कि भोजपुरी लोक साहित्य के लिए आपको पदम विभूषण मिलना चाहिए तो उन्होंनें कहा था कि संकट मोचन संगीत समारोह देश की संस्कृति का जनगान है और संकट मोचन ने मुझे इससे जोड़ा, मेरे लिए इस जीवन का इससे बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता।

शादी के तीन माह बाद खुदकुशी की

वीडियो में पति पर लगाए पिटाई के आरोप

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र में बुधवार को एक युवती ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। युवती की तीन महीने पूर्व ही शादी हुई थी। उसने वीडियो में पति पर मारपीट,प्रताड़ित करने और अपशब्दों का प्रयोग करने जैसे आरोप लगाए है। युवती कुछ दिनों से पति के कारण मायके में ही रह रही थी। राऊ पुलिस ने मर्ग कायम किया है। नवविवाहिता की मौत का मामला होने से एसीपी स्तर के अधिकारी को जांच सौंपी गई है।

पुलिस के मुताबिक युवती का नाम पिंकी राठौर है। 22 वर्षीय पिंकी की तीन महीने पूर्व ही आत्माराम से शादी हुई थी। भाई विष्णु के मुताबिक आत्माराम पिंकी के साथ मारपीट करता था। मानसिक प्रताड़ना भी देता था। इस कारण पिता और बहन उसको घर लेकर आ गए। रिश्तेदारों के माध्यम से आत्माराम को समझाने और दोनों के बीच समझौता करवाने का प्रयास भी किया था।

बुधवार को पिंकी और आत्माराम की पुनःफोन पर बहस हुई थी। उसे घर बुलाया लेकिन नहीं आया। पिंकी ने फोन पर ही कहा कि जहर खाकर मर जाएगी। आत्माराम ने कहा कि मर जाओ। मां ने पिंकी की हालत देखी और और तुरंत अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में स्वजन ने पिंकी के बयानों का वीडियो बनाया जिसमें वह आत्माराम पर मारपीट करने, प्रताड़ित करने और भद्दे शब्दों का प्रयोग करने जैसे आरोप लगा रहा है।

● कांग्रेस नेता खुदकुशी केस-स्वजन से बयान लेगी पुलिस

कांग्रेस नेता मनोज सूले आत्महत्या केस में पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। 60 वर्षीय सूले ने किन कारणों से आत्महत्या की यह जांचा जाएगा। पुलिस गुरुवार को स्वजन के कथन लेगी। नयापुरा निवासी मनोज ने बुधवार सुबह कोल्ड स्टोरेज (सूले कोल्ड स्टोरेज) पर फांसी लगाई थी। सबसे पहले उनके बेटे ने देखा और पुलिस को बुलाया। मनोज सम्पन्न किसान होने के साथ कोल्ड स्टोरेज, तोलकांटा और कालोनी के मालिक थे। घटना के कुछ देर पूर्व ही उनकी मां ने काल लगाया था। काल न उठाने पर मनोज के बेटे को देखने भेजा। टीआई राजपालसिंह राठौर के मुताबिक मनोज सुबह साढ़े सात बजे परिचित के पास गए और कुछ देर बातचीत की। इसके बाद सीधे कैबिन में गए और फांसी लगा ली।

इंदौर - उज्जैन मार्ग पर फ्लाईओवर का निर्माण, रोज सुबह - शाम जनता परेशान

इंदौर। लवकुश चौराहे पर बुधवार सुबह लोग जाम से जूझते रहे। लोगों को अरबिंदो अस्पताल से एमआर-10 टोल नाका तक आने में डेढ़ घंटे का समय लगा। वजह लवकुश चौराहे पर चौतरफा निर्माण कार्य चलना और विभागीय समन्वय न होना है।

यहां रोज का यही हाल है और व्यस्ततम समय में तो हालात काफी बदतर हो जाते हैं। इसके अलावा बुधवार को लवकुश चौराहे के पास उज्जैन रोड पर भाजपा नेता का स्वागत मंच सजा था, जिससे यातायात पर काफी दबाव पड़ा। बताया जा रहा है कि इस आयोजन की जानकारी भी यातायात पुलिस के पास नहीं थी।

लवकुश चौराहा शहर के यातायात का प्रमुख चौराहा है। इंदौर-उज्जैन रोड पर सर्वाधिक यातायात चलता है। साथ ही महाकाल से ओंकारेश्वर जाने वाला यातायात भी यहीं से होकर गुजरता है। अरबिंदो अस्पताल से एमआर-10 ब्रिज तक बुधवार सुबह नौ से दोपहर करीब एक बजे तक यातायात का दबाव बना रहा।

मुख्य सड़क पर जाम लगने से लोग अरबिंदो से एमआर-10 ब्रिज तरफ जाने के लिए गलियों में गए तो गलियां भी पूरी तरह चोक हो गई। लोगों ने बताया कि अरबिंदो चौराहे से एमआर- 10 टोल नाका तक आने में उन्हें डेढ़ से पौने दो घंटे का समय लगा।

यातायात पुलिस को नहीं देते जानकारी

लवकुश चौराहे पर मेट्रो लाइन के निर्माण के अलावा इंदौर - उज्जैन मार्ग पर फ्लाईओवर भी बन रहा है। ऐसे में चारों सड़कों पर निर्माण एजेंसियों का काम पसरा रहता है। वैसे तो फ्लाईओवर निर्माण के लिए दोनों तरफ लोहे के बैरिकेड्स लगे हैं, निर्माण कार्य उसी के अंदर चलता है। परंतु कई बार निर्माण एजेंसियां जेसीबी और बड़ी-बड़ी ड्रिल मशीनें सड़क पर ले आती हैं। ऐसे में इंदौर विकास प्राधिकरण और अन्य निर्माण एजेंसियां यातायात पुलिस से संपर्क नहीं करती हैं और यातायात संचालन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाती है। इससे जाम की स्थिति पैदा होती है। परिणामस्वरूप लोग घंटों जाम में फंसते हैं। जाम लगने के बाद आनन-फानन में यातायात पुलिस सड़कों पर उतरती है।

एक किमी के रास्ते में अनेक बाधाएं- वैसे तो लवकुश चौराहे से अरबिंदो अस्पताल तक एक किमी से भी कम का रास्ता है, परंतु यहां मौजूद अव्यवस्थाएं लोगों का 10 किमी पार करने जितना समय ले लेती है। इसमें विपरीत दिशा में ड्राइविंग, अरबिंदो अस्पताल के सामने दोनों तरफ सिटी और निजी बसों की मनमानी, आटो की मनमानी पार्किंग, सर्विस रोड पर अतिक्रमण समेत कई प्रकार की बाधाएं हैं। इन वजहों से यह एक किमी से कम का रास्ता पार करने में लोगों को काफी परेशानी होती है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने संकुल प्राचार्यों को भेजा नोटिस, 10 दिनों में मांगा ये जवाब

इंदौर। 12 एवं 24 वर्ष पूर्ण करने वाले अध्यापक शिक्षक संवर्ग की प्रथम और द्वितीय क्रमोन्नति संबंधी प्रस्ताव अभी तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा नहीं हुआ है। जिसके चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी संकुल प्राचार्यों को नोटिस जारी कर तत्काल जानकारी भेजने के लिए कहा है। नोटिस में दस दिन का समय दिया गया है। पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष और शासकीय शिक्षक संगठन मप्र के प्रदेश प्रवक्ता दिनेश परमार ने बताया कि कुछ दिनों पहले डीईओ मंगलेश व्यास से कार्यालय जाकर क्रमोन्नति और समयमान वेतनमान आदेश जारी करने और संबंधित संकुल प्राचार्यों से फाइलें जमा करवाने के लिए कहा था। परमार ने बताया कि अन्य जिलों में क्रमोन्नति के आदेश जारी होने लगे है, लेकिन इंदौर में अभी तक कई संकुल प्राचार्यों की जानकारी तक तैयार नहीं की है। डीईओ ने सभी संकुल प्राचार्यों को नोटिस जारी किया है। जिसमें डीईओ कार्यालय में क्रमोन्नति के प्रस्ताव नहीं भेजे वाले प्राचार्यों को 10 दिन के अंदर प्रस्ताव भेजने और आधी अधूरी जानकारी दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया है। इसके साथ ही चेतावनी भी दी गई है कि यदि किसी लोक सेवक का नाम क्रमोन्नति से वंचित रहता है, तो संबंधित संकुल प्राचार्य जवाबदार होगा। परमार ने बताया कि जिले में 2018 से किसी भी 12 एवं 24 वर्ष पूर्ण करने वाले अध्यापक शिक्षक संवर्ग की प्रथम और द्वितीय क्रमोन्नति नहीं मिले है। जिले में दो हजार से अधिक अध्यापक शिक्षक प्रभावित हुए है। इससे हर एक अध्यापक संवर्ग को हर माह तीन से सात हजार रुपए तक आर्थिक नुकसान हो रहा है।

भंडारे में भक्त की मौत, प्रशासन ने स्पष्ट किया, आया था साइलेंट अटैक

इंदौर। रणजीत हनुमान मंदिर में मंगलवार को भंडारे में पहुंचे एक भक्त की मौत हो गई। मंदिर परिसर के बाहर घंटों तक भक्तों की लाइन लगी रही। लाइन में लगने के लिए होने वाली धक्का-मुक्की मौत की वजह बताई जा रही है। इस हादसे के बाद भक्त बोल रहे हैं कि मंदिर की व्यवस्थाओं में सुधार किया जाना चाहिए। वीआइपी पास जैसी व्यवस्था के कारण आम भक्तों को घंटों लाइन में लगना पड़ा और धक्का-मुक्की होती रही। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भक्त की मौत का कारण साइलेंट अटैक है। परिसर और बाहर कहीं भी धक्का-मुक्की नहीं हुई।

रणजीत हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के बाद पहले मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें करीब 50 हजार भक्त प्रसाद ग्रहण करने पहुंच गए। शाम 5.30 बजे से शुरू हुआ भंडारा रात दो बजे तक चलता रहा। इस दौरान लंबी कतारें लगी रहीं। भंडारे में पहुंचे गोविंद कालोनी मल्हारगंज निवासी विजय प्रजापत की तबीयत लाइन से परिसर में आने के बाद खराब हो गई।

उन्हें पुलिस और कार्यकर्ताओं की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने साइलेंट अटैक आने से मृत घोषित कर दिया। जिला प्रशासन का कहना है कि मंदिर परिसर और बाहर 25 कैमरे लगाए थे। इनकी जांच में सामने आया कि कहीं भी धक्का-मुक्की नहीं हुई। भंडारे की व्यवस्थाओं को लेकर तीन बार बैठक हुई। सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षाकर्मी लगाए गए। पुलिस बल भी इस बार अधिक था। वहीं बैरिकेड्स लगाकर लाइन से भक्तों को प्रवेश दिया गया। कहीं भी धक्का-मुक्की नहीं हुई। भक्त मंडल, सेवादारों, सफाई कर्मचारियों के लिए कुछ पास जारी किए गए थे, जो भंडारे की व्यवस्था संभालते हैं।

प्रवेश के लिए तीन तरफ से की थी व्यवस्था

रणजीत हनुमान मंदिर के भंडारे में हादसे के बाद आयोजन की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इस संबंध में जय रणजीत भक्त मंडल के सदस्यों का कहना है कि भंडारे में तीन तरफ से प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। पहली शनि मंदिर की तरफ से, जहां वाहनों की पार्किंग होती है। दूसरी मंदिर के मध्य भाग में लोग भगवान के दर्शन कर भोजन प्रसादी के स्थान पर जा सकते थे। तीसरी जहां पंगत जिमाई जा रही थी उस मैदान से लोगों को प्रवेश दिया जा रहा था। एक बार में 1500 से 2000 लोग भोजन कर रहे थे।

प्रवेश पास भी बांटे थे

जैसे-जैसे पंडाल स्थल में जगह खाली हो रही थी, वैसे-वैसे 100-200 लोगों को छोड़ा जाता था। यह क्रम शाम 6 बजे से रात ढाई बजे तक चला। व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रवेश पास की व्यवस्था भी की गई थी। भंडारे से पहले 101 मंदिरों में भोग भी अर्पित किया गया। भंडारे की व्यवस्था रणजीत भक्त मंडल के 300 से अधिक सदस्यों के साथ बाबा के भक्तों द्वारा दी गई। पुजारी दीपेश व्यास के अनुसार भंडारे के लिए प्रसाद बनाने की तैयारी एक दिन पहले शुरू कर दी गई थी। व्यवस्था के लिए बैठकों का आयोजन भी किया जाता है। विशेष अवसर पर चलित दर्शन की व्यवस्था की जाती है। अव्यवस्थाओं के आरोप गलत हैं।

व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आए सुझाव

भंडारे में हुए हादसे की चर्चा इंटरनेट मीडिया पर बुधवार को आम रही। इसमें बाबा रणजीत के भंडारे को दशहरा मैदान पर स्थानांतरित करने का सुझाव भी दिया गया। इसके पीछे तर्क दिया कि यह मंदिर के समीप होने के साथ ही यहां हजारों लोगों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था है। साथ ही भोजन करने के लिए पर्याप्त जगह भी है। इससे यातायात भी सुगम रहेगा। मंगलवार और शनिवार को मंदिर में सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। सुबह के बजाय शाम को दर्शन के लिए भक्त बड़ी संख्या में आते हैं। इस दौरान पार्किंग के साथ ही पुलिस बल की मौजूदगी आवश्यक है। भक्त मंडल दर्शनार्थियों के साथ हुज्जत करते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि भक्तों की भावना को समझते हुए व्यवहार करें।

धीरेंद्र शास्त्री ने इंदौर में लगाया दरबार

युवक उनसे बोला धर्म विरोधियों की ठठरी बांध दो

इंदौर। बुधवार को इंदौर में बागेश्वर सरकार का दिव्य दरबार सजा। जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। दरबार में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने 20 से ज्यादा लोगों की पर्चियां खोली और उनके उपाय भी बताए। मंच पर आए एक युवक ने उनसे कहा कि-मुझे आप सपने में आते है। मैने वाट्सअप पर आपका स्टेटस लगा रखा है तो मेरे साथ काम करने वाले लोग मेरा मजाक उड़ाते है। बाबा उन धर्म विरोधी लोगों की आप ठठरी बांध दो। इसके बाद युवक ने जय श्रीराम के नारे भी लगाए।

इंदौर के कनकेश्वरी ग्राउंड पर बागेश्वर सरकार सात दिवसीय भागवत कथा सुना रहे है, लेकिन गुरुवार को उन्होंने दिव्य दरबार लगाया। उसका समय तो दोपहर 12 बजे था,लेकिन लोग सुबह 9 बजे से ही पांडाल में आने लगे थे। 12 बजे तक तीनों पांडाल खचाखच भर गए। लोग पांडाल के बाहर भी खड़े थे।

बाबा दोपहर 2 बजे मंच पर पहुंचे। कुछ लोग पानी के टैंकर पर भी चढ़े हुए थे। बाबा ने उनका टैंकर से नीचे उतरने के लिए कहा। बाबा ने एक महिला को बुलाया और कहा कि तुम्हारे पति का दिमाग डिस्टर्ब है,क्योकि दूसरी महिला के चक्कर में पड़ा हुआ है। तुम्हारे मकान का मामला भी फंसा हुआ है।

कुछ लोगों ने मन्नत के नारियल पांडाल की रैलिंग पर बांधे। बागेश्वर सरकार ने उस पेंटिंग को भी स्वीकारा। दिव्य दरबार शाम पांच बजे तक जारी रहा। उसके बाद डेढ़ घंटे कथा हुई। दिव्य दरबार में शामिल होने के लिए लोग आसपास के शहरों से भी आए थे। इस कारण सुखलिया ग्राम, आईटीआई मार्ग,चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा पर यातायात भी बाधित होता रहा।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस, सेमिनार में बोले अतिथि- विकसित देश अपनी बौद्धिक संपदाओं को सुरक्षित करते रहे

इंदौर। इंदौर में विश्व बौद्धिक संपदा मनाया गया। एक संस्थान में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसका मकसद बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। छात्रों और शिक्षकों के बीच हुए सेमिनार में इसके इतिहास, इसकी जरूरत पर भी चर्चा की गई।

इंटरैक्टिव सत्रों से छात्रों को पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में संदेह दूर करने में मदद मिली। पेटेंट के लिए आवेदन कैसे करें की प्रक्रिया पर चर्चा की गई और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन और वीडियो व्याख्यान की मदद से समझाया गया। छात्रों और संकाय को पेटेंट की अवधारणाओं और पेटेंट के लिए खेलने की प्रक्रिया के साथ-साथ भय और गलत धारणाओं से भी समृद्ध किया गया।

इंदौर की मालवांचल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर सेमिनार में एडवोकेट राकेश सोनी ने छात्रों और शिक्षकों के साथ भारत में पेटेंट संरक्षण के मूल सिद्धांतों, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के साथ उसकी भिन्नता और उनकी सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन ने 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के रूप में नामित किया। देशभर के शिक्षा संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार के जरिए एक नई शुरुआत की गई। आज विकसित एवं विकासशील देशों के विकास में फर्क सिर्फ इतना है कि विकसित देश अपनी बौद्धिक संपदाओं को बहुत पहले से ही कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क जैसी सुरक्षित तकनीक द्वारा सुरक्षित करके पूरी दुनिया पर राज करते रहे हैं। बौद्धिक संपदा संगठन जिनेवा ने इंटरनेशनल वेबसाइट पर इस सेमिनार को पोस्ट किया गया।

युवाओं के नए आइडिया उन्हें बना रहे कामयाब

सोनी ने कहा कि आज केवल आपका एक आईडिया आपके पूरे जीवन को बदल सकता और आईआईटी से लेकर आईआईएम के युवाओं की कामयाब होने की कहानियां इसका उदाहरण है। इसके लिए आपको केवल बौद्धिक संपदा अधिकार की सही समझ होना बेहद जरूरी है। नई विचारों को बेहतर तरीके से समाज और लोगों के लिए उपयोग में लाने के लिए आपके पेटेंट से लेकर सभी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। उन्होंने कहा आज भारत में भी प्रत्येक विभाग में देश के वैज्ञानिक, शोधार्थी, औद्योगिक इकाइयों, शिक्षण संस्थान, सरकारी संस्थाएं अपनी योजनाओं एवं अपने उत्पादों को पेटेंट कर विकसित भारत संकल्प 2047 की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल साइंसेस से लेकर बिजनेस की दुनिया में कई बार ऐसा अवसर आता है जब लोगों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की सही मायने पता चलता है। कोरोना के समय रेमेडी सीवर इंजेक्शन इसका बड़ा उदाहरण था। इस अवसर पर इंडेक्स समूह संस्थान के डीन,शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। संचालन साइंटिफिक रिसर्च ऑफिसर डॉ. नेहा जायसवाल ने किया। आभार डॉ. दीपशिखा विनायक ने माना।

इनकम टैक्स पेपर में डाटा मिसिंग वाला प्रश्न अटैंड करने पर विद्यार्थियों को मिलेंगे अंक, विश्वविद्यालय प्रशासन ने किया फैसला

इंदौर। बीकॉम अंतिम वर्ष के इनकम टैक्स पेपर में डाटा मिसिंग प्रश्न पर परीक्षा समिति ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को रिपोर्ट सौंप दी है। उसके आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को बोनस अंक देने का फैसला लिया है। मगर छात्र-छात्राओं को अंक कितने दिए जाएंगे। यह कॉपी जांचने वाले मूल्यांकनकर्ता पर छोड़ दिया है। अधिकारियों के मुताबिक विद्यार्थी ने प्रश्न कितना प्रतिशत हल किया है। उस पर अंक देना तय होंगे। यह सुनिश्चित करने का काम मूल्यांकनकर्ता को दिया है। 15 अप्रैल को सुबह 7 से 10 बजे तक बीकॉम अंतिम वर्ष के मेजर विषय का पहला पेपर इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस का हुआ। 8 अंक वाले एक प्रश्न में कुछ डाटा नहीं छपा। विद्यार्थियों ने आपत्ति ली।

संपादकीय

मप्र में असुरक्षित बच्चे व महिलाएं

मध्यप्रदेश में महिलाएं और बच्चे कितने असुरक्षित हैं, इसका प्रमाण हाल में घटी दो घटनाएं हैं। चिंता की बात यह है कि दोनों घटनाओं में पीड़ितों के करीबी लोग ही हैं। इससे यह भी पता चलता है कि समाज का किस तेजी से पतन हो रहा है। पहली घटना प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई, जहां शहर के एक बड़े निजी स्कूल ज्ञान गंगा अकादमी के संचालक ने ही एक मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता बच्ची की मां के अनुसार उसकी बेटी स्कूल की दूसरी कक्षा में पढ़ती है। बच्ची को दाल-चावल में कुछ नशीला पदार्थ खिलाया गया, जिससे वह बेसुध हो गई। वह 15 दिन पहले ही होस्टल में आई थी। होश आया तो एक व्यक्ति उसके साथ गलत काम कर रहा था, जबकि एक अन्य व्यक्ति पास में ही खड़ा था। मंगलवार रात पुलिस ने धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर की है। हॉस्टल वार्डन समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की भूमिका संदिग्ध रही है। पीड़िता की मां के मुताबिक उसने स्कूल संचालक द्वारा उसकी मासूम बेटी के साथ दुष्कर्म करने की शिकायत मिसरोद थाने में की तो एसआई प्रकाश राजपूत ने पैसे ले देकर मामला निपटाने को कहा। उसने यह भी कहा कि जो हुआ, नशे में हुआ। स्कूल संचालक ने अपनी गलती मान ली है। उसने बच्ची का मेडिकल भी नहीं कराने को कहा। जब मामला मीडिया में आया तब जाकर पुलिस ने बच्ची और उसकी मां के 164 के बयान दर्ज कराए गए हैं। अब एसआईटी मामले की जांच कर रही है। उधर स्कूल संचालिका ने इस मामले में महिला पर ही ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। दूसरा मामला उज्जैन में हुआ, जो मुख्यमंत्री का गृहनगर भी है। वहां के दंडी आश्रम में वहां के एक आचार्य और सेवादार ने ही होस्टल में रहने वाले 19 बच्चों के साथ कुकर्म किया। दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महाकाल थाना पुलिस में इसकी शिकायत सभी पीड़ित बच्चों ने की है। खुद आश्रम के संचालक ने ही आरोपी आचार्य को गिरफ्तार कराया, जबकि सेवादार फरार है। उज्जैन के बड़नगर रोड स्थित दंडी आश्रम 30 साल पुराना है। यहां पहले तीन किशोरों के यौन शोषण की जानकारी सामने आई। इससे आक्रोशित अभिभावकों ने बैठक की। इस बैठक के बाद खुलासा हुआ कि आश्रम के 19 बच्चों का यौन शोषण हुआ है। आश्रम संचालक गजानंद सरस्वती के अनुसार पहले इस तरह की शिकायत सेवादार अजय ठाकुर के खिलाफ मिली थी, लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि आश्रम का एक आचार्य राहुल शर्मा भी इसमें शामिल है। बताया जाता है कि ये दोनों बच्चों को अपने कमरे पर बुलाते थे। पीड़ित बच्चों की उम्र 11 से 15 साल तक है। हैरानी की बात यह है कि यौन शोषण के आरोपी राहुल शर्मा ने आज से करीब 7 महीने पहले एक रेप पीड़िता की मदद की थी। खून से सनी 12 साल की बच्ची आधे-अधूरे कपड़ों में ढाई घंटे से भटक रही थी। राहुल ने उसे खाना खिलाकर महाकाल थाने में सूचना दी थी। तब सभी ने उसकी तारीफ की थी। लेकिन बाद में जो सच सामने आया है, उसे देखकर लगता है कि उसने अपना पाप कर्म छुपाने के लिए यह नाटक किया था। यहां सवाल यह है कि अगर समाज में बच्चे और महिलाएं ही दरिंदों से सुरक्षित नहीं है तो इतनी पुलिस का अर्थ है। जिस एसआई ने कार्रवाई करने में आनाकानी की, उसे बर्खास्त किया जाना चाहिए। साथ ही स्कूल की अनुमति भी रद्द की जानी चाहिए। क्योंकि रक्षक ही भक्षक बनेंगे तो समाज किस पर भरोसा करेगा।

भोजशाला के सर्वे की भंग होती गोपनीयता और दावे

नजरिया

हेमंत पाल

लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक है।

धार की विवादास्पद भोजशाला वास्तव में सरस्वती मंदिर है, जिसे राजा भोज ने बनाया था या कमाल मौला मस्जिद? यह विवाद बरसों से उलझा हुआ है। इसका हल खोजने के लिए हाई कोर्ट के आदेश पर साइंटिफिक पुरातात्विक सर्वेक्षण हो रहा है। सर्वे के निष्कर्ष की रिपोर्ट हाई कोर्ट में पेश होगी। लेकिन, इस सर्वे को लेकर टीम के साथ रोज परिसर में जाने वाले हिंदू और मुस्लिम पक्षों के बयानवीर भी पीछे नहीं हैं। इस बहाने वे सर्वे की गोपनीयता भी भंग कर रहे हैं।

धार शहर में स्थित भोजशाला की सच्चाई जानने के लिए ऑर्कलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) इन दिनों सर्वे कर रही है। यह सर्वे हाई कोर्ट के निर्देश पर किया जा रहा है। कोर्ट ने हिंदू और मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधियों को भी सर्वे टीम के साथ रहने की इजाजत दी है। लेकिन, दोनों पक्ष सर्वे को लेकर अपने-अपने पक्ष में तर्क कर रहे हैं। जबकि, एएसआई ने अभी तक सर्वे को लेकर कोई बयान नहीं दिया। दोनों धर्मों के प्रतिनिधियों की बयानबाजी सामाजिक सामंजस्य की हवा जरूर बिगाड़ रही है।

अयोध्या, ज्ञानवापी और मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि की धार्मिक प्रमाणिकता के लिए कोर्ट के निर्देश पर ऑर्कलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) ने साइंटिफिक सर्वे किया था। कोर्ट को दी गई अपनी प्रामाणिक रिपोर्ट से एएसआई ने जो साबित किया, वो दुनिया के सामने है। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के निर्देश पर इसी तरह का सर्वे धार की भोजशाला में किया जा रहा है। एएसआई को अपने सर्वे से साबित करना है कि भोजशाला वास्तव में राजा भोज द्वारा निर्मित सरस्वती मंदिर है या मौलाना कमालुद्दीन की बनाई मस्जिद!

दोनों पक्षों के बीच सौ सालों से ज्यादा समय से यह विवाद है। एएसआई को निर्धारित समय में कोर्ट को अपनी रिपोर्ट देना है। एक महीने से एएसआई भोजशाला में सर्वे कर रही है। ये सर्वे दो महीने और चलेगा। अभी तक ऐसे कोई प्रमाण सामने नहीं आए और न आधिकारिक रूप से बताया गया कि दोनों में से किसका दावा पुख्ता है। हाई कोर्ट ने एएसआई को सर्वे करके और अपनी रिपोर्ट जुलाई में सौंपने का निर्देश दिया है। पहले यह रिपोर्ट 29 अप्रैल को दी जाना थी, लेकिन, अब एएसआई ने इसके लिए 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। क्योंकि, निर्धारित अवधि में काम पूरा होना संभव नहीं है।

सर्वे के प्रमाणिकता को बनाए रखने के लिए कोर्ट के निर्देश पर हिंदू और मुस्लिम प्रतिनिधियों को भी सर्वे टीम के साथ अंदर जाने की इजाजत मिली है। पहले दिन मुस्लिम पक्ष ने सर्वे टीम के साथ परिसर में जाना टाला, उसके बाद से दोनों पक्षों के प्रतिनिधि सर्वे टीम के साथ सुबह से शाम तक मौजूद रहते हैं।

इसमें सबसे गौर करने वाली बात यह है कि सर्वे टीम ने अभी तक अपनी तरफ से कोई बयान नहीं दिया। इस तरह के कोई संकेत भी नहीं दिए कि सर्वे के दौरान भोजशाला परिसर से किस तरह के प्रमाण मिल रहे हैं। उन्हें इस तरह का बयान देने की इजाजत भी नहीं है। क्योंकि, उन्हें अपनी रिपोर्ट हाई कोर्ट में जमा करना है। इसके बावजूद देखा गया कि रोज सुबह जब सर्वे टीम के साथ दोनों पक्षों के प्रतिनिधि अंदर जाते हैं, तो वे मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करके जाते हैं जो इस सर्वे की गोपनीयता को भंग करने जैसी होती है।

मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि तो सर्वे की जानकारी पर तो ज्यादा नहीं बोलते, लेकिन वे सर्वे में अब तक हुए काम को लेकर जिक्र जरूर करते हैं। वे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में उनके द्वारा लगाई गई आपत्तियों का जिक्र करने के साथ यह भी बताते हैं कि बीते सौ सालों से ज्यादा समय में भोजशाला विवाद में क्या कुछ हुआ! वे अपने तर्कों से यह भी बताने की कोशिश करते हैं कि भोजशाला वास्तव में मुस्लिम स्मारक है, जिस पर हिंदू बेवजह अपना दावा जता रहे है। वे उन तर्कों को भी नकारते हैं, जो हिंदू पक्ष के लोग सामने रखने की कोशिश करते हैं।

इसी तरह हिंदू पक्ष के दोनों प्रतिनिधि मुखरता से इस बात का जिक्र करते हैं कि सर्वे के दौरान अंदर मिलने वाले प्रमाण इस बार का संकेत दे रहे हैं, कि यह सरस्वती मंदिर रहा है। दरअसल, उनके इस तरह के बयान हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों की विपरीत है। क्योंकि, उनके इस तरह के बयानों का कोई मतलब नहीं। वास्तव में तो सीधे-सीधे इस बात की मार्केटिंग करने की भी कोशिश की जा रही है कि एएसआई का यह सर्वे हिंदू धर्मावलंबियों की याचिका पर ही किए जाने के निर्देश हुए हैं। इस तरह की गैर-प्रामाणिक बातें बार-बार करना, इस बात का भी संकेत है कि उनके तर्कों पर ही सर्वे किया जा रहा है। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट के हाई कोर्ट में पेश किए जाने से पहले ऐसी बयानबाजी इसकी गोपनीयता को भंग करने जैसा कृत्य कहा जा सकता है।

सर्वे के दौरान जब भी मंगलवार या शुक्रवार आता है, तो हिंदू और मुस्लिम पक्ष के लोग भोजशाला परिसर में जाकर अपनी आराधना करते हैं। शुक्रवार को मुस्लिम नमाज़ अता करने और मंगलवार को हिंदू परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। कई साल पहले केंद्र सरकार ने दोनों पक्षों को यह व्यवस्था दी थी, तब से प्रशासन की देखरेख में इसका पालन किया जा रहा है। देखा गया कि सर्वे के दौरान हर मंगलवार को जब हिंदू पक्ष भोजशाला में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं, उस दिन हिंदू पक्ष की तरफ से भोजशाला आंदोलन से जुड़ा कोई बड़ा हिंदूवादी नेता मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करता है, जो सुर्खी बनती है। वास्तव में तो उन्हें एएसआई सर्वे को लेकर कोई बयान देने की जरूरत है और न इजाजत। लेकिन, फिर भी दोनों पक्षों को जब भी मौका मिलता है, वे अपनी बात करने से नहीं चूकते।

हिंदू पक्ष के लोग बार-बार मथुरा, ज्ञानवापी और अयोध्या के एएसआई सर्वे के नतीजे को आधार बनाकर भोजशाला में भी उसी तरह के प्रमाण मिलने का दावा करते हैं। जबकि, मुस्लिम प्रतिनिधि का दावा रहता है कि 1902 और 1903 में भी इसी तरह का सर्वे हुआ था और उस समय यह मान लिया गया था कि यह मंदिर नहीं है। आज भी उनका दावा है कि 1300 ईस्वी में जब मौलाना कमालुद्दीन यहां आए थे और उन्होंने मस्जिद बनाई थी। उस समय कई तरह यहां कई तरह का रॉ-मटेरियल मस्जिद के निर्माण के लिए लाया गया था। संभवतः उस समय लाए गए रॉ-मैटेरियल में कुछ ऐसी सामग्री आ गई होगी, जो यहां हिंदू धर्म के प्रमाण दे रही है। लेकिन, वास्तव में यहां सरस्वती मंदिर जैसी कोई बात नहीं है।

भोजशाला में बनी एक अक्कल कुईया को लेकर भी दोनों पक्षों के पास ऐसे दावे हैं, जो सर्वे को प्रभावित कर सकते हैं। हिंदुओं का कहना है कि इस तरह की अक्कल कुईया आर्यावर्त में 7 जगह है जिसमें से तीन जगह भारत में है। एक इलाहाबाद में, एक तक्षशिला और तीसरी भोजशाला में। धार की भोजशाला की अक्कल कुईया के बारे में उनका कहना है कि यह सरस्वती नदी से जुड़ा हुआ जल स्त्रोत था। माना जाता है कि जहां भी शिक्षा के विकसित केंद्र रहे, वहां विद्यार्थियों को ज्ञान देने के लिए इस तरह की कुईया का निर्माण किया गया।

इसमें वे पत्थर पाए गए, जो विलुप्त हुई सरस्वती नदी में होते थे। इसके प्रमाण में हिंदू पक्ष विष्णु श्रीधर वाकणकर की किताब का हवाला देते हैं। जबकि, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वास्तव में यह अक्कल कुईया नहीं, बल्कि मस्जिदों के में पाई जाने वाला जल कुंड है, न कि अक्कल कुईया जैसा कोई प्रमाण। लेकिन, वास्तव में इसकी सच्चाई क्या है यह एएसआई के सर्वे से ही पता चलेगा। लेकिन दोनों पक्षों की बयानबाजी से एक अलग तरह की भावना जन्म ले रही है, जो निश्चित रूप से सामाजिक सामंजस्य के लिए उचित नहीं है।

महाराष्ट्र की राजनीति

नवीन कुमार

लेखक स्तंभकार हैं।

सीटों को लेकर भाजपा और विपक्षी गठबंधन उलझन में

महाराष्ट्र की चुनावी राजनीति सीटों को लेकर उलझी हुई है। इसके अलावा सत्तारूढ़ दल भाजपा इस तरह का कोई दावा भी नहीं कर पा रही कि नरेंद्र मोदी सत्ता में वापस लौट ही रहे है। उधर, कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों में भी इसी तरह की खींचतान में लगे हैं। दोनों ही गठबंधन सीटों के बंटवारे की उलझन को सुलझाने में नाकाम हैं। भाजपा गठबंधन में 9 सीटों पर खींचतान है और विपक्ष के घटक दलों ने भी सामंजस्य नहीं बन पाया।

महाराष्ट्र में भी दो चरणों के मतदान हो गए हैं और 7 मई को तीसरे चरण के मतदान होने हैं। दो चरणों में कम मतदान होने से राजनीतिक दलों की नींद उड़ी है। कोई भी राजनीतिक दल जनता के मूड को परख नहीं पा रहा। सत्तारूढ़ दल भाजपा यह दावा नहीं कर पा रही है कि मोदी की वापसी हो रही है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल भी अपने ही गणित में उलझा हुआ है। बावजूद इसके भाजपा गठबंधन और विपक्षी गठबंधन अभी भी सीटों के बंटवारे के उलझन को सुलझाने में नाकाम हैं। भाजपा गठबंधन में 9 सीटों पर माथापच्ची चल रही है और भाजपा की तरह ही विपक्ष के घटक दलों ने भी कुछ सीटों पर अपनी दबंगई दिखा दी है। इससे दोनों गठबंधनों के बीच मतभेद बने हुए हैं।

एक-दूसरे पर कमजोर सीटों के बंटवारे में हार का डर जता रहे हैं। भाजपा गठबंधन के शिंदे गुट और अजित गुट आपस में ही मिलकर उलझन को सुलझाने में लगे हुए हैं। लेकिन, कांग्रेस के नेताओं ने अपनी नाराजगी पार्टी के आला नेता तक पहुंचाई। इस वजह से मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड को मुंबई उत्तर मध्य से टिकट मिल गया तो वह खुश हो गईं। लेकिन, पार्टी के वरिष्ठ और मुस्लिम नेता नसीम खान नाराज हो गए। उनका कहना है कि पार्टी सिर्फ मुस्लिमों का वोट चाहती है, पर मुस्लिम समुदाय को टिकट देने से परहेज कर रही है। कांग्रेस की इस नीति से मुस्लिम समुदाय नाखुश है और इसका बुरा असर चुनाव में पड़ सकता है।

दरअसल, नसीम भी टिकट मिलने का इंतजार कर रहे थे। उन्हें निराशा हाथ लगी है। वैसे, नसीम न सिर्फ मुस्लिम नेता हैं बल्कि उत्तर भारतीय नेता भी हैं। अगर कांग्रेस ने उन्हें चुनाव मैदान में उतारा होता तो खासकर मुंबई के मुस्लिम और उत्तर भारतीय समाज का वोट कांग्रेस के पाले में आ सकता था। क्योंकि, भाजपा से उत्तर भारतीय समाज खुश नहीं है। वजह यह है कि भाजपा में उत्तर भारतीयों की स्थिति मुसलमानों जैसी है। भाजपा भी उत्तर भारतीयों के सिर्फ वोट चाहती है मगर उसे टिकट देने से परहेज करती है। मुंबई में चुनावी राजनीति में उत्तर भारतीय निर्णायक भूमिका में हैं। लेकिन मोदी की भक्ति में उत्तर भारतीय विद्रोह का रूख अख्तियार नहीं कर पा रहे हैं।

मुसलमानों और उत्तर भारतीयों की स्थिति तो सबके सामने है। लेकिन, सीटों के बंटवारे में जिस तरह से दबाव की राजनीति हो रही है उसमें दोनों गठबंधन के कुछ घटक दलों की हालत मुस्लिमों और उत्तर भारतीयों जैसी ही मानी जा रही है। पहले भाजपा गठबंधन में दबाव तंत्र पर नजर डालते हैं। वैसे, भाजपा ने अपनी यह सोच मजबूत कर रखी है कि सत्ता में उसके सहयोगी दल एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी चुनावी मैदान में इतने भरोसेमंद नहीं हैं कि उसके दम पर चुनाव जीता जा सके। इसलिए भाजपा ने सीटों के बंटवारे में अपनी मर्जी चला रही है जिससे खासकर शिंदे अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच कमजोर नजर आ रहे हैं।

दो चरणों के हो चुके चुनावों में भी शिंदे की कुछ सीटों पर भाजपा ने अपने उम्मीदवार उतारे। जबकि, शिंदे अपने गुट के साथ पूरी मेहनत से मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए काम कर रहे हैं। शिंदे गुट का मानना है कि भाजपा ने जिस तरह से उनकी सीटों पर अपने उम्मीदवार थोपे उससे उनके समर्थक नाराज हैं। रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग में भी लंबे संघर्ष के बाद भाजपा ने नारायण राणे को टिकट दिया। इससे शिंदे गुट बेहद नाराज है। गुट का कहना है कि जिस सीट पर उनके सांसद हैं या 2019 में उनकी पार्टी के उम्मीदवार दूसरे नंबर थे उस सीट पर उनका हक है। लेकिन, उन सीटों पर भाजपा ने अपनी मर्जी चलाई जिससे भाजपा और शिंदे गुट की शिवसेना के बीच अच्छे संबंध नहीं दिख रहे हैं।

शिंदे भी कल्याण से अपने बेटे श्रीकांत शिंदे को टिकट नहीं दिला पाए हैं। हालांकि, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया में श्रीकांत शिंदे को उम्मीदवार बताया है! लेकिन, उनके नाम की अब तक अधिकृत रूप से घोषणा नहीं की गई। शिंदे को अब भी कल्याण के अलावा ठाणे, पालघर और मुंबई की सीटों को पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह माना जाता है कि मुंबई की 6 सीटों में से जितनी ज्यादा सीटों पर जिस पार्टी का कब्जा होगा वही महाराष्ट्र में सबसे बड़ी ताकतवर पार्टी होगी। चूंकि, शिंदे की लड़ाई उद्धव ठाकरे की शिवसेना से है तो वह मुंबई की ज्यादातर सीटों पर दावा कर रहे हैं। लेकिन भाजपा उनके मंसूबे पर पानी फेर रही है।

मुंबई की ज्यादातर सीटें भाजपा अपने पास रखना चाहती है। भाजपा और शिंदे गुट के बीच 9 सीटों के बंटवारे पर तालमेल नहीं बैठ पाई। भाजपा गठबंधन के घटक दलों में अजित गुट भी शामिल है। अजित गुट भी भाजपा के दबाव तंत्र से त्रस्त है। भाजपा ने अजित गुट की सीटों पर भी अपना दावा ठोका है। भाजपा ने माढ़ा सीट पर रणजीतसिंह नाइक निंबालकर को बतौर उम्मीदवार थोपा है। इसका विरोध होने लगा और मौके की नजाकत को परखते हुए शरद पवार ने भाजपा नेता धैर्यशील मोहिते पाटील को अपने पाले में खींच लिया। भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर विद्रोही मोहिते पाटील ने शरद का दामन थाम लिया। मोहिते पाटील को एनसीपी नेता और विधान परिषद के पूर्व सभापति रामराजे नाइक निंबालकर का भी समर्थन मिल गया है। भाजपा के कई सीटों पर उम्मीदवार थोपने से घटक दलों के कार्यकर्ताओं में गुस्सा है।

इधर, विपक्षी गठबंधन में भी भाजपा जैसा दबाव तंत्र देखने को मिल रहा है। लेकिन, विपक्ष में एक खासियत यह है कि इसने 48 सीटों को आपस में बांट लिया। बावजूद इसके कांग्रेस इंडिया गठबंधन के महा विकास आघाड़ी के शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद गुट) के रवैए से नाराज है और आरोप लगाया है कि उद्धव और शरद ने उसके बड़े दिल के साथ खिलवाड़ किया है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराना है। इसलिए कांग्रेस ने सीटों के बंटवारे के लिए अपना दिल बड़ा किया। मगर उद्धव और शरद ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का ख्याल नहीं रखा और सीटों के बंटवारे के बावजूद चार सीटों पर उद्धव और शरद ने अपनी मनमानी की।

उद्धव और शरद से जिन चार सीटों को बदलने की बात की जा रही है उसमें से सांगली सीट पर कांग्रेसी कार्यकर्ता सबसे ज्यादा नाराज दिख रहे हैं। यहां पूर्व मुख्यमंत्री वसंत पाटील के पोते विशाल पाटील निर्दलीय उम्मीदवार बन गए हैं और इसका खामियाजा उद्धव गुट के उम्मीदवार चंद्रहार पाटील को भुगतना पड़ेगा। क्योंकि, उद्धव ने इस सीट पर फैसला होने से पहले ही चंद्रहार को उम्मीदवार बना दिया। जबकि कांग्रेस की ओर से शुरू से ही इस सीट की मांग की जा रही थी। शरद पर भी मनमानी करने का आरोप लग रहा है। उन्होंने भी भिवंडी सीट पर समझौता से पहले ही सुरेश म्हात्रे को अपना उम्मीदवार बना दिया। कांग्रेस सांगली और भिवंडी में उद्धव गुट और शरद गुट से अपनी बेहतर स्थिति बता रही है। चुनावी राजनीति है तो स्वार्थ की भी बात आती है।

कार्यकर्ताओं की नाराजगी की बात करते हुए कुछ नेता अपने टिकट की जुगाड़ में भी लग गए। इसमें मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड के नाम की भी चर्चा है। वह शुरू से अपने टिकट की जुगाड़ में लगी रहीं और उन्हें सफलता भी मिल गई। उन्हें मुंबई उत्तर मध्य से टिकट मिल गया। वह दलित नेता हैं। उनका मुकाबला भाजपा के उम्मीदवार उज्ज्वल निकम से होगा। इधर कांग्रेस के मुस्लिम नेता नसीम खान टिकट से वंचित रह गए। वह वर्षा से ज्यादा पुराने कांग्रेसी नेता हैं और उनकी पैठ मुसलमानों के साथ उत्तर भारतीयों में ज्यादा है। कांग्रेस के कोटे में मुंबई उत्तर सीट बची हुई है जहां पर किसी को अब तक उम्मीदवार नहीं बनाया गया है। इस सीट को जीतना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है।

भाजपा ने यहां से अपने कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को मैदान में उतारा है जो प्रचार में जुटे हुए है। कांग्रेस यहां पर मैदान में उतरने से पहले ही हार की स्थिति में दिख रही है। इसलिए उसने इस सीट को उद्धव गुट से बदलने की मांग की है। लेकिन उद्धव गुट ने कहा है कि अगर कांग्रेस को यह सीट नहीं चाहिए तो उद्धव गुट इस सीट पर भी अपने उम्मीदवार उतार सकती है। अब हाथ से यह सीट जाने से बेहतर है कि कांग्रेस इस सीट पर नसीम खान को उतारने के बारे में सोच रही है। लेकिन एक मुस्लिम उम्मीदवार के लिए यह सीट बहुत ज्यादा सुरक्षित नहीं है। क्योंकि, यह सीट मराठी, गुजराती, राजस्थानी और उत्तर भारतीय बहुल है। ऐसे में कांग्रेस के लिए संकट है। अब जिस तरह से सीटों के बंटवारे में कांग्रेस ने अपना दिल बड़ा किया उसी तरह से अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारने से लिए भी उसे मतदाताओं के भरोसे अपना दिल बड़ा करना पड़ेगा।

ईश्वरीय अवधारणा के प्रति निष्ठा के निहितार्थ

ईश्वरीय आराधना को इहलोक तथा परलोक संवारने का माध्यम माना जाता है। हम भारतीय ईश्वरीय सत्ता में अटल विश्वास रखते हैं। अब यह अलग बात है कि ऐसी सत्ता को अपने-अपने धर्म-दर्शन के अनुरूप मान्यता दी जाती रही हो। भारतीय संस्कृति में हमारे जीवन की हर सम तथा विषम परिस्थितियों में परम सत्ता के प्रति हमारा विश्वास ही हमें संबल देता है। पाप और पुण्य की धार्मिक अवधारणा के चलते राष्ट्रीय ही नहीं अपितु विश्व बंधुत्व की भावना का भी सृजन होता है। इसके अतिरिक्त ऐसी धारणा एक प्रकार से देश में कानून और व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। स्वस्थ समाज की संरचना में ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकारें जाने से सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

यदि पाप और पुण्य की अवधारणा के सूक्ष्म परिणाम की व्याख्या की जाए तो सीधे-सीधे हम इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि कानून के डर से कई गुणा डर पाप के प्रति हुआ करता है। कानून में बचाव की गलियां निकाली जा सकती है , लेकिन जनमानस में यह धारणा होती है कि हजार हाथ वाला तो कहीं देख रहा है। वैसे भी जहां श्रद्धा एवं विश्वास की प्रबलता हो, वहां मन की परिकल्पना के अनुरूप ऐसा वातावरण सृजित हो जाया करता है कि इष्ट के प्रति हमारी आस्था और भी गहरी हो जाया करती है। वैसे भी मनोविज्ञान की दृष्टि से परम सत्ता के प्रति अटल आस्था हमारे आत्मबल में वृद्धि करती है। देश की सभ्यता और संस्कृति को विकसित करने में धार्मिक सिद्धांतों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

चंद स्वार्थी तत्व राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते जन समूह की धार्मिक मान्यता को आधार बनाकर अधर्म का उत्पात मचाते हुए स्वार्थसिद्धि में लिप्त हो सकते हैं। लेकिन हमारी संस्कृति की जड़ इतनी गहरी है कि ऐसे तत्वों को नागरिकों द्वारा चिन्हित कर लिया जाता है। हालांकि राजनीतिक कारणों के चलते ऐसा दृश्य खिंचा जाता है जैसे कि एक इष्ट की आराधना अन्य इष्ट के अनुयायियों के लिए प्रताड़ना का कारण बन गई हो। जबकि व्यवहार में ऐसा नहीं होता। वैसे माना जा सकता है कि प्रत्येक व्यक्ति के अपने-अपने प्रबल पूर्वाग्रह हो। धर्म के प्रति कट्टरता का यह अर्थ नहीं हो सकता कि धर्मावलंबियो के अंतर्मन में अलगाव की भावना को बल मिले। दरअसल सामाजिक कटुता के भाव को हवा देने का प्रयास राजनीति से ही प्रेरित हुआ करता है।

किसी भी धर्म की अवधारणा को लेकर यदि उसका तटस्थ दृष्टिकोण से अवलोकन किया जाए, तो निश्चित रूप से हर एक धर्म जन-जन को नैतिकता का पाठ पढ़ाता है। वर्तमान दौर में धर्म के प्रति अंधश्रद्धा नहीं अपितु तर्कों पर आधारित श्रद्धा और विश्वास को वरीयता दी जाने लगी है। हर एक धर्म ने समूचे ब्रह्मांड में ईश्वरीय सत्ता की अवधारणा को समवेत स्वर में मान्यता दी है। अब यह अलग बात है कि ऐसी सत्ता को अलग-अलग नाम से जाना पहचाना और पुकारा जाता रहा हो। आज के परम वैज्ञानिक दौर में भी कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में किसी अलौकिक महाशक्ति की इस समूचे ब्रह्मांड में उपस्थिति को स्वीकार किया गया है। एक प्रकार से विज्ञान की कल्पना से परे सृष्टि की संरचना है। जिसका नियंता ईश्वर को माना जाता है।

आज भी विज्ञान प्रकृति के चक्र और प्रकृति की व्यवस्था को संपूर्ण रूप से समझ पाने में सफल नहीं हो सका है। हमारे विभिन्न धर्मग्रंथो में उल्लेखित तमाम तरह के तथ्य को वैज्ञानिक परीक्षण के आधार पर मान्यता भी मिली है। इसके अतिरिक्त आज भी विज्ञान चाहे जितनी ऊंचाइयों पर पहुंच गया हो, लेकिन जीवन और मृत्यु के अटल सत्य से अब भी परिचित नहीं हो सका है। तमाम तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान जो आज हो रहे हैं, उसे कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में पूर्व से ही हमारे आदि - अनादिकालीन धर्मग्रंथो में स्पष्ट तौर पर उल्लेखित किया गया है। हमारे वेद-पुराण इस संसार चक्र की संपूर्ण नियति की विस्तृत व्याख्या करने में प्रबल रूप से सहायक सिद्ध हुए हैं। प्रकृति के अनसुलझे रहस्यों को विभिन्न धर्म ग्रंथो में स्पष्ट तौर पर चित्रित किया गया है।

इस देश में धर्म-संस्कृति की जड़ इतनी गहराई लिए हुए कि उसकी थाह को पाना किसी के भी बस की बात नहीं है। बीते समय में संस्कृति के नाम पर कुत्सित परंपराओं को मानवीयता के आधार पर जड़ मूल से समाप्त कर दिया गया। ऐसा करना निश्चित रूप से समय की मांग ही थी। बावजूद इसके धर्म की मूल अवधारणा में कहीं से कहीं तक किसी किस्म का परिवर्तन नहीं किया गया है। वैसे निरंतर परिवर्तित दौर में देशकाल और परिस्थिति के संदर्भ में कुछ परंपराओं को युक्तियुक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास हुए हैं। जिसके चलते मनुष्य मात्र के इहलोक और परलोक संवरने का मार्ग प्रशस्त होता जा रहा है। धर्म के प्रति गहन आस्था ही सुखमय संसार का सृजन कर सकती है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मतदाता का दर्द

मतदाता भागा-भागा आया। साँस फूल रही थी और चेहरा लटका हुआ था, बोला-'भाई जी नेजाती पहचानने से इन्कार कर रहे हैं। बताइये क्या करें?'

मैं बोला-'पहले तुम आराम से बैठो। पानी-वानी पियो। रही नेताजी के पहचानने की बात, सो अब क्यों पहचानेंगे तुम्हें। तुम्हें तो उन्होंने मतदान के बाद ही पाँच साल के लिये दफना दिया था।'

'लेकिन मैं मतदाता ही नहीं, उनका सक्रिय कार्यकर्त्ता भी था चुनाव में। मैंने तो गाँठ का पैसा भी लगा दिया था और वे हैं कि नये अंदाज में बात करने लगे हैं।'

मैं बोला-'बस तुम्हें पीड़ा सक्रिय होने की ही ज्यादा है। वरना वोट तो काफी लोगों ने दिये हैं। तुम्हें नेताजी से लगाव हो गया तथा अपेक्षा बढ़ गई, अब वे हर मतदाता को तवज्जह देने लगें तो उन्होंने तो खा लिया कमा कर। वह जिस नये अंदाज की तुम बात कर रहे हो, वह नया अंदाज कमाकर खाने का अंदाज है।'

मतदाता आँखें फाड़कर अचरज से बोला-'क्या मतलब?'

मैंने कहा-'मतलब यह कि घोड़ा घास से यारी करे तो खाये क्या? राजनीति उनका पेशा है, अब वे धंधा करें या तुम्हारी खामख्वाह की बातें सुनें। वैसे यह तो बताओ, तुम गये क्यों थे?'

'अजी भाई साहब का तबादला हो गया। मैंने सोचा यह तो बातें हाथ का खेल है। नेताजी की चलती है। आखिर चुनाव जिताया है, इसलिए बस तबादला केंसिल कराने की बात थी।' मतदाता ने कहा।

मैंने पूछा-'नेताजी ने क्या कहा?'

नेताजी बोले-'एप्लीकेशन दे जाओ, देखेंगे, हो सकेगा तो करेंगे।'

मैं बोला-'नेताजी चुनाव जीतने के बाद यही भाषा बोलते पाये गये हैं। उन्होंने गलत तो नहीं बोला। अब एक काम करो। किसी बड़े बिचौलिये को पकड़ो, वह तुम्हारा काम हजार दो हजार में करा देगा।'

'हजार दो हजार! और वह भी तबादला निरस्त कराने का! फिर हमने क्या घास ही खोदी क्या? उन्हीं को जिताने का मतलब हम ही काटे जायेंगे।' मतदाता बोला।

मैंने कहा-'कटना तो अब मतदाता को ही पड़ेगा। नेजाती ने चुनाव में चालीस लाख खर्च किये हैं। उन्हें किसी पागल कुत्ते ने तो काटा नहीं था।

खर्च की गई राशि से कई गुनी राशि फकत पाँच वर्ष में वसूल की जानी है। अब बताओ वे अपने प्रोजेक्ट पर कार्य नहीं करेंगे तो उनकी जीविका कैसे चलेगी?'

'यह तो धोखा हुआ है हमारे साथ।'

'घबराओ मत, धोखा पाँच दशक से हो रहा है। अपने पिताजी से पूछो वे भी धोखा खा चुके हैं। तुम ज्यादा विचलित मत होवो। थोड़ा प्रेक्टिकल होकर सोचोगे तो हजार दो हजार खर्च करने में दिक्कत नहीं होगी। तुम तो नेताजी के सक्रिय कार्यकर्त्ता रहे हो, इसलिये परेशान हो रहे हो। समय-समय की बात है। कटना खरबूजे को ही है लाला, चाहे छूरी खरबूजे पर गिरे या खरबूजा छुरी पर गिरे। कुल मिलाकर तुम खरबूजे हो गये हो और वे छुरी।' मैंने कहा।

'मैं अगले चुनाव में उनकी पूड़ियाँ तोल कर धर दूँगा, यदि उन्होंने मेरा काम नहीं किया तो।' मतदाता अभी भी तैश में था।

मैंने कहा-'फिर पाँच वर्ष का इंतजार करो। भाई साहब पाँच वर्ष तक वहीं बने रहेंगे, जहाँ तबादला हुआ है।'

'नहीं जी, मैं दूसरी एप्रोच लगाऊँगा।'

सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं लाला। जिसको न्योतोगे वहीं गुरू निकलेगा। अभी ये थोड़ा विश्वास के आदमी तो हैं। मेरी राय में तो नेताजी का नया अंदाज इस समय यही माँग कर रहा है। जिस नये रोल में वे आये हैं, वही उनका असली रोल है। अब यह अंतहीन धारावाहिक है, जिसका पहला 'एपीसोड' तुम देख चुके हो। इस सीरियल का नाम है 'सौ सुनार की-एक लुहार की।'

परन्तु मतदाता में कार्यकर्त्ता का जोश अलग से भरा था, सो बिलबिलाया-'अजी मैं धूल चटा दूँगा। गाँव-गाँव, ढ़ाणी-ढ़ाणी में पैदल वोट माँगते रहे और आज हमारी बिल्ली और हमसे ही म्याऊँ करने लगी।'

मैंने कहा-'बिल्ली पालते ही क्यों हो? लोकतंत्र में मतदाता को मजा ही बस चुनाव के चार दिन आता है, बाकी तो आनंद नेता ही लेते हैं। बोफोर्स तोप दलाली में करोड़ों खाकर लोग खर्राटे ले रहे हैं। अब इनका नम्बर आया है, ये लगा रहे होंगे कहीं न कहीं सेंध। अत जो सरकार है, उसका नाम है मिली-जुली सरकार। इसके बड़े लाभ हैं। मिल-जुलकर खा लो तो हंगामा नहीं होता।'

मतदाता को थोड़ा मेरी बातों में मजा आ गया, बोला-'ट्रांसफर को मारो गोली, यह बोफोर्स दलालों का क्या होगा जी।'

मैंने हँसकर कहा-'अभी तुम ट्रांसफर कराने के लिये दो हजार की किसी को दलाली दोगे तब क्या होगा?'

'कुछ नहीं।'

'जब जवाब भी तुम्हारे पास है तो मुझसे क्यों पूछते हो। इनके पेट में दर्द हुआ, कर दिया हंगामा। अब ये काबिल हुये हैं-ये खाने लगेंगे। यह तो चक्र है। आप यह आशा करके बैठे हों कि 'रामराज्य' आने वाला है, तो यह वहम तो निकाल दो। बाकी लाला चोरों के भाई चोर।'

'फिर इस 'स्वच्छ राजनीति' के नारे का क्या होगा?'

'तुम तो बच्चों की-सी बातें करते हो। नारे तो चुनाव में देने के होते हैं। ये दिये। वह पहले श्रीमान् क्लीन एकदम क्लीन शेव्ड आये थे, बाद में किस हालत में निकले, देख लो। पुराने पापियों से स्वच्छ राजनीति की आशा लगाना मृगतृष्णा है। उन्होंने टोपी क्या बदल ली, जैसे सतयुग आ गया। किसी अवतार ने जन्म नहीं लिया है। वे ही लोग हैं जो पहले भी ट्रांसफर के पैसे माँगे थे, आज भी माँग रहे हैं। इसलिये ज्यादा सोचा-विचारी छोड़ कर लाला। हजार-दो हजार का खून करा ही लो।' मैंने कहा।

मतदाता पिघल चुका था। हथियार डाल चुका था, बोला-'आपके माध्यम से दूँगा।'

मैंने कहा-'मुझे दे दो। तुम्हें तो तबादले से मतलब बाकी खर्च तो करना ही पड़ता है। जाओ और रूपया ले आओ। बाद में नेताजी के रेजीडेंस चलेंगे।'

मन मारकर मतदाता बनाम कार्यकर्त्ता अपने घर रूपये लेने चला गया। मतदाता का दर्द तो वही जाने, नेताजी क्यों?

चुनाव

प्रभात झा

(पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

क्यों नरेंद्र मोदी को, देश तीसरी बार पीएम के रूप में देखना चाहता है

21 अक्टूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना हुई थी। 1952 में पहला आम चुनाव हुआ था और उस चुनाव में जनसंघ के तीन लोग जीते थे। जनसंघ के घोषणापत्र में मुख्यतः दो मुद्दे थे- देश में समान नागरिक संहिता लागू करना तथा जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को खत्म करना। चुनाव के बाद उस समय भी एनडीए बना तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिपक्ष के नेता बने। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा 370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। डॉ. मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिये 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। परमिट का नियम तोड़ते हुए उन्होंने हजारों प्रदर्शनकारियों के साथ 11 मई 1953 को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने का निर्णय किया। जम्मू में प्रवेश करते ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के तानाशाही रवैये के कारण वहां की तत्कालीन शेख अब्दुल्ला सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। लेकिन जेल में उनकी मृत्यु ने देश को हिलाकर रख दिया और परमिट सिस्टम भी समाप्त हो गया।

जनसंघ का कारवां आगे बढ़ता गया। 1957 के आम चुनाव में जनसंघ को 4 सीटें मिली, 1962 में 14, 1967 में 35 और 1971 में 22 सीटें मिली। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। आपातकाल का जनसंघ ने खुलकर विरोध किया। जनसंघ से जुड़े सभी नेताओं को इसके लिए जेल जाना पड़ा और यातनाएं सहनी पड़ी। इसमें सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भी प्रमुखता से शामिल थे। 1977 में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ लेकिन 'दोहरी सदस्यता' (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सदस्यता) को लेकर जनसघ के नेताओं ने जनता पार्टी से रिश्ता समाप्त कर नए राजनीतिक पार्टी के गठन का निर्णय लिया। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने और पंच निष्ठाओं (राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, सामाजिक और आर्थिक विषय पर गांधीवादी दृष्टिकोण,सकारात्मक पंथनिरपेक्षता और मूल्यों पर आधारित राजनीति) के आधार पर 6 अप्रैल, 1980 को अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। अपनी स्थापना के साथ ही पार्टी ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए।

1984 का आम चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए पहला आम चुनाव था जिसमें पार्टी को 2 सीटें मिली। 1986 में लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और जून 1989 के पालमपुर अधिवेशन में पहली बार अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया। राममंदिर निर्माण को भारतीय जनता पार्टी ने अपने मुख्य राजनीतिक एजेंडे में रखा और अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया। 1989 के आम चुनाव में 2 सीटों से बढ़कर भारतीय जनता पार्टी 85 सांसदों वाली पार्टी बन गई। तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार बनी।

25 सितंबर 1990 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर लालकृष्ण आडवाणी ने गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए राम रथ यात्रा शुरू की। राम मंदिर के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत के घर-घर पहुंची। 1991 के आम चुनाव में पार्टी की लोक सभा में सीटों की संख्या बढ़कर 120 पहुंच गई। 1996, 1998 और 1999 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। अटल बिहारी वाजपेयी पहले 13 दिन फिर 13 माह के लिए प्रधानमंत्री बने और इसके बाद एक बार फिर साढ़े चार साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और देश के विकास को नई दिशा दीद्य 2004 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में

कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार आई, लेकिन 10 वर्षों में 'भ्रष्ट, कमजोर और पॉलिसी पैरालिसिस' उस सरकार की पहचान बन गई। देश की जनता ने संकल्प लिया और भारतीय लोकतंत्र ने एक सुनहरे भविष्य के लिए करवट लिया।

बारह 12 वर्ष गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी ने देश और दुनिया को 'गुजरात का विकास मॉडल' दिया। भारत के जनमानस और भारतीय जनता पार्टी ने उनमें भविष्य के भारत को देखा। 2013 के गोवा अधिवेशन में उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया। 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 282 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिलाद्य देश की जनता द्वारा इतिहास रचा गया। नरेंद्र मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत वाली गैर-कांग्रेसी किसी पार्टी के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद पार्टी की एक के बाद एक कई राज्यों में सरकार बनती गईं। मार्च 2018 तक बीजेपी 21 राज्यों तक पहुंच चुकी थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 2014 से भी बड़ी और ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस चुनाव में पार्टी ने 303 सीटें जीतीं और यह पहली बार था जब किसी गैर-कांग्रेसी पार्टी को दूसरी बार बहुमत मिला था।

अपने दूसरे कार्यकाल के पहले संसद सत्र में में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 समाप्त कर दिया। इसी मानसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम आगे बढ़ाया गया। उसी तीन तलाक को दंडनीय अपराध बनाया गया और मुस्लिम माताओं-बहनों को इस काले कानून से मुक्ति दिलाई। नागरिकता संशोधन कानून-2019 को लागू किया गया। एक तरह से महात्मा गांधी के विचार को साकार किया गया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। 22 जनवरी, 2024 को भारतीय जनता पार्टी ने अपना वादा पूरा किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। आज देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन राम लला का दर्शन करने आ रहे हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू कर इतिहास बना दिया है।

भारतीय जनता पार्टी पर पहले आरोप लगता था कि पार्टी सरकार नहीं चला पाती। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार है और कई राज्यों में भाजपा की सरकार विकास और जन कल्याण के नए-नए आयाम गढ़ रहे हैं। देश की राजनीतिक संस्कृति बदल गई हैद्य देश और देश का जन मानस आज मोदी की गारंटी पर विश्वास है और उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने संकल्प के नाम पर आगे बढ़ रहा है। शोषणमुक्त और समतायुक्त समाज की स्थापना के साथ आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला लोक सभा का चुनाव है जब देश ही नहीं पूरे विश्व ने यह मान लिया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। जिसका परिणाम पहले से ही तय हो गया है, यह भाजपा नहीं देश की 140 करोड़ जनता कह रही है। मोदी की गारंटी ने देश के विश्वास को जितने का काम किया है।

पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत 11 वें नंबर की अर्थव्यवस्था थी। भारत आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। 50 करोड़ से अधिक गरीबों के जन-धन खाते खुलवाए गए हैं, स्वच्छता अभियान के तहत 11 करोड़ परिवारों के लिए शौचालय बनवाए गए हैं। पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ गरीब को पक्के घर प्रदान किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को 5 लाख की मुफ्त चिकित्सा सुविधा दी गई है। इस योजना के दायरे में 70 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों लाये जाने की घोषणा की गई है। नारी वंदन अधिनियम लाकर लोक सभा और विधान सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी चलाने वालों को ब्याजमुक्त लोन देकर उनके चिंता की गई है। 36 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से लोगों के खाते में भेजे गए हैं। वित्तीय समावेशन का यह दुनिया में मिसाल है। यह अभियान जन धन खाता खोले जाने से ही संभव हो पाया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के 10 करोड़ से अधिक छोटे और सीमान्त किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। किसानों की आय दोगुनी करने और स्वामीनाथन आयोग के सुझावों के अनुरूप उनके उपज को उचित मूल्य मिले, इसके लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। गांवों में पौने 4 लाख किलोमीटर नई सड़कें बनीं हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हर हफ्ते एक नए विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया जाता है। देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के साथ-साथ विरासत के संरक्षण और संवर्धन की भी चिंता की गई है। देश एक प्रकार से आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण के काल में है। नमामि गंगे योजना के तहत गंगा सहित अन्य नदियों को निर्मल किया गया। चंद्रयान से गगणयान की यात्रा, विश्व में भारत का मस्तक ऊंचा हुआ। प्रवासी भारतीयों को दोहरी नागरिकता दी गई। भारत के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को समझा गया। दलित परिवार से आने वाले रामनाथ कोविंद और आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति के पद पर बैठाया गया।

महात्मा गांधी के बाद नरेंद्र मोदी पहले व्यक्ति हुए जिन्होंने स्वच्छता को जनांदोलन बना दिया। सेवा और समर्पण का ऐसा उदाहरण इतिहास में दूसरा नहीं। देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं। आतंकवाद और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निडरता, निर्भीकता, कठोरता के प्रतीक तो हैं ही, साथ-साथ संवेदनशीलता, आत्मीयता और उदारता के भी प्रतीक हैं। जहां कठोरता की जरूरत है, कठोरता से काम लेते हैं। जहां संवेदनशीलता जरूरत है, संवेदनशीलता से काम लेते हैं। उन्होंने विश्व का जिस प्रकार नेतृत्व किया है, आज वैश्विक संकट के दौर में दुनिया उनकी तरफ देख रही हैद्य उनके नेतृत्व क्षमता पर पूरी दुनिया का विश्वास है और यह भारत के लिए, भारत वासियों के लिए गौरव की बात है। मुस्लिम देश यूएई में मंदिर का निर्माण हो या फिर दुनिया के अनेकों देशों, जिनमें कई मुस्लिम देश शामिल हैं, द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना, उनके करिश्माई व्यक्तित्व और वैश्विक नेतृत्व की स्वीकार्यता का प्रमाण हैद्य आज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका, इंग्लैंड और फ्रांस की नहीं, भारत की चर्चा होती है। नरेंद्र मोदी ने अपने को प्रधान सेवक के रूप में स्थापित किया। यह अप्रतिम है कि अपनी 100 वर्षीय मां को कंधा देने और अंत्येष्टि करने के बाद भी विराम नहीं किया और उसी समय गुजरात के राजभवन पहुंच राज-काज में लग गएद्य कहीं न कहीं ऐसे व्यक्ति पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है।

दो चरणों के चुनाव हो चुके हैं। पहले चरण में 102 सीटें और दूसरे में 88, मतलब कुल 190 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। अभी पांच चरण बाकी है। लेकिन दो चरणों में सामान्य से सामान्य लोगों ने विपक्ष का हाल बेहाल देखा। पहली बार विपक्ष नेतृत्व विहीन, नीति विहीन और नीयत विहीन दिखाई दे रहा। वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए सौभाग्य का विषय है कि उसे भारत स्तरीय ही नहीं विश्व स्तरीय नेतृत्व के रूप में नरेंद्र मोदी मिले हैं। 14 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी ने जो संकल्प पत्र देश के समक्ष रखा है, भारत सुनहरे भविष्य की संकल्पना की गई है। इसमें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दृष्टि है। जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया, फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर संविधान को समाप्त करने की बात कर रही है। नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक पार्टी और नेताओं पर लोगों के खोए हुए विश्वास की वापसी की है। राजनीति के प्रति लोगों के कुविचार को सुविचार में बदला है। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय देश के जनमानस ने बहुत पहले ले लिया था।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोकतंत्र का महास्तंभ है स्वतंत्र प्रेस

कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है। 3 दिसम्बर 1950 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपने सम्बोधन में कहा था, "मैं प्रेस पर प्रतिबंध लगाने के बजाय, उसकी स्वतंत्रता के बेजा इस्तेमाल के तमाम खतरों के बावजूद पूरी तरह स्वतंत्र प्रेस रखना चाहूंगा क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता एक नारा भर नहीं है बल्कि लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है।" पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विड़म्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है।

प्रतिवर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। भारत में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन विड़म्बना है कि विगत कुछ वर्षों से यहां भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में लगातार कमी देखी जा रही है। कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है। 3 दिसम्बर 1950 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपने सम्बोधन में कहा था, ''मैं प्रेस पर प्रतिबंध लगाने के बजाय, उसकी स्वतंत्रता के बेजा इस्तेमाल के तमाम खतरों के बावजूद पूरी तरह स्वतंत्र प्रेस रखना चाहूंगा क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता एक नारा भर नहीं है बल्कि लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है।'' पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विड़म्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है।

पेरिस स्थित 'रिपोर्टर्स सैन्स फ्रंटियर्स' (आरएसएफ) अथवा 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' नामक संस्था द्वारा हर साल अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, वे सदैव चौंकाने वाले होते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि कुछ देश इस रिपोर्ट में जारी किए जाने वाले आंकड़ों को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताकर खारिज भी करते रहे हैं। 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वभर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स' अर्थात 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक' नामक रिपोर्ट पेश करता है। 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019' में उसने भारत सहित विभिन्न देशों में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करते हुए स्पष्ट किया था कि किस प्रकार विश्वभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे दुनियाभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2023 के मुताबिक भारत 180 देशों में से 161वें स्थान पर पहुंच गया है जबकि 2022 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता की सूची में भारत 150वें पायदान पर खड़ा था। यह रिपोर्ट प्रेस स्वतंत्रता के लिए भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट का संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकारों के साथ व्यवहार के लिए 'संतोषजनक' माने जाने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ऐसी संख्या भी कम नहीं है, जहां स्थिति 'बहुत गंभीर' है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स द्वारा जारी दुनियाभर के देशों की प्रेस फ्रीडम रैंकिंग में भारत जहां 2023 में 2022 के मुकाबले 11 पायदान नीचे गिरा, वहीं 2022 में भी 2021 की रैंकिंग के मुकाबले 8 स्थान नीचे फिसला था। 2021 की रैंकिंग में भारत का स्थान 142वां था। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2023 की सूची में शीर्ष 10 देशों में नॉर्वे, आयरलैंड, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, नीदरलैंड, लिथुआनिया, एस्टोनिया, पुर्तगाल तथा ईस्ट तिमोर शामिल हैं जबकि प्रेस स्वतंत्रता के मामले में सबसे खराब स्थिति वाले देशों में 171वें पायदान से 180वें पायदान पर क्रमशः बहरीन, क्यूबा, म्यांमार, इरीट्रिया, सीरिया, तुर्कमेनिस्तान, ईरान, वियतनाम, चीन तथा उत्तर कोरिया रहे। भारत के लोकतंत्र को तो दुनिया का सबसे सफल और बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहीं अगर नार्वे जैसा छोटा सा देश प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर विराजमान है तो यह स्थिति भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सही स्थिति नहीं है। प्रेस की आजादी के मामले में अगर भूटान, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देश हमसे आगे हैं तो गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि हम इस मामले में वर्ष दर वर्ष क्यों फिसल रहे हैं? प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में यह गिरावट स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आने का सीधा और स्पष्ट संकेत यही है कि लोकतंत्र की मूल भावना में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार निहित है, उसमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। समाज में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसीलिए इसे लोकतंत्र का चौथा मजबूत स्तंभ माना गया है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार खासकर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा बगैर किसी जानकारी को जांचे-परखे केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए झूठ का बवंडर तैयार किया जाता है, उसे देखकर कई बार तो ऐसा प्रतीत होता है मानो टीवी चैनल पर समाचार या कोई न्यूज कार्यक्रम नहीं बल्कि कोई मसालेदार राजनीतिक फिल्म चल रही हो। इसका सबसे बड़ा नुकसान यही हो रहा है कि लोगों का विश्वास मीडिया पर निरंतर कम हो रहा है और लोगों का आकर्षण सोशल मीडिया की ओर बढ़ रहा है, जहां पहले से ही फेक न्यूज बहुत बड़ी समस्या मौजूद है तथा एआई इस समस्या को और ज्यादा बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रही है।

भारतीय संविधान में प्रेस को अलग से स्वतंत्रता प्रदान नहीं की गई है बल्कि उसकी स्वतंत्रता भी नागरिकों की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता में ही निहित है और देश की एकता तथा अखण्डता खतरे में पड़ने की स्थिति में इस स्वतंत्रता को बाधित भी किया जा सकता है किन्तु ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होने पर भी देश में पत्रकारिता का चुनौतीपूर्ण बनते जाना लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं है बल्कि यह स्पष्ट रूप से कुछ शक्तियों द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के चौथे स्तंभ को ध्वस्त करने का ही प्रयास माना जाता है। कल्पना की जा सकती है कि प्रेस की स्वतंत्रता अगर इसी प्रकार सवालों के घेरे में रही तो पत्रकार कैसे पारदर्शिता के साथ अपने कार्य को अंजाम देते रहेंगे? प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने के प्रयासों के चलते कैसे सच को उजागर कर उसे निष्पक्ष तरीके से जनता तक पहुंचाया जाना संभव होगा? देश में प्रेस की स्वतंत्रता बरकरार रहे, इसके लिए किसी मीडिया संस्थान से जुड़े पत्रकार हों या स्वतंत्र पत्रकार, उनकी सुरक्षा को लेकर कड़े कानून बनाए जाने की सख्त दरकार है ताकि बगैर किसी दबाव या भय के पत्रकार अपना कर्त्तव्य बखूबी निभाते रहें। हालांकि यह भी बेहद जरूरी है कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ 'प्रेस' को भी अपनी सीमाओं और मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए अपनी स्वतंत्रता का सही इस्तेमाल करना चाहिए।

ट्रेचिंग ग्राउंड गौठाना में भीषण आग, फायर ब्रिगेड पहुंची

समय रहते काबू की आग, नहीं तो बढ़ सकती थी मुसीबत

बैतूल। गुरुवार दोपहर शहर से सटे नगरपालिका के ट्रेचिंग ग्राउंड में लगे कचरे के विशाल ढेर में अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लग गयी। जैसे ही इसकी सूचना नगरपालिका बैतूल के अमले को मिली तो तत्काल फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर भेजे गए और आग

के बढ़ने से पहले ही इसे काबू में कर लिया गया। बताया जा रहा है कि समय रहते यदि आग बुझाने के बन्दोबस्त नहीं किये जाते तो आग तेजी से फैल सकती थी।

इससे उठने वाले जहरीले धुंए से आसपास रहने वाले लोगों पर भी इसका दुष्प्रभाव सामने आ सकता था। नपा के स्वास्थ्य निरीक्षक संतोष धनेलिया ने बताया कि आग पहाड़ी से लगी थी और आग लगने से कोई नुकसान नहीं हुआ है। गौरतलब है कि पहले भी गर्मी के मौसम में यहां कई बार आग लग चुकी है।

ग्राम पंचायत बरसाली के मतदाताओं ने किया चुनाव का बहिष्कार

काजी-जामठी जैतापुर मार्ग के बीच माचना नदी पर पुलिया न बनने से नाराज है ग्रामीण

बैतूल। काजी जामठी-जैतापुर मार्ग पर माचना नदी के ऊपर पुलिया नहीं बनने से ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ी है। यह मार्ग क्षेत्र के सभी किसानों द्वारा उपज और गन्ना सुहागपुर ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बरसात में नदी में पानी का बहाव तेज होने से स्कूली छात्रों और ग्रामीणों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने पिछले कई वर्षों से सभी जनप्रतिनिधियों को मौके पर लाकर पुल निर्माण के लिए निवेदन किया है, लेकिन कोई प्रक्रिया नहीं हुई है। इसी कारण ग्रामीणों ने आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के बहिष्कार का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार चुनावी वादों से धोखा होता है। जब जनप्रतिनिधि वादे पूरे नहीं करते, तो लोगों की आशा टूट जाती है।

बुकाखेड़ी डैम के पास बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत एक घायल, अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर फिर उठे सवाल

बैतूल/मुलताई। छिंदवाड़ा मार्ग पर बुकाखेड़ी डैम के पास बीती रात एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके चलते दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमें से एक युवक की मौत होने की खबर है जबकि दूसरे की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद तत्काल गंभीर मरीजों को मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया ।जहां एक बार फिर अवस्थाएं सामने आई और समय पर उचित इलाज एवं साधन उपलब्ध होने के कारण घायलों के परिजनों ने इसकी शिकायत स्थानी विधायक से की, किंतु रेफर केंद्र बनकर रह गए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में आए दिन हो रहे विवाद और उपचार के लिए हाय तौबा के बावजूद व्यवस्था में सुधार हो पाएगा कहना कठिन है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात बुकाखेडी पुलिया पर हुई मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद तत्काल राहगीरों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से मुलताई नगर के सरकारी अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जिसमे से एक युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम घाटबिरोली निवासी मंगेश पुत्र रामदास नागले उम्र 17 वर्ष एवं भविष्य पुत्र इंदल साहू उम्र 17 वर्ष दोनों ही मुलताई से वापस अपने गांव लौट रहे थे। कि तभी अचानक दुनावा की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिसके चलते वे लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। भविष्य के सर में गंभीर रूप से चोट आई बताया गया। दोनो को प्राथमिक उपचार के बाद बैतूल जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया था।

ताप्ती, शनि सरोवर को लेकर गंभीर नहीं मुलताई नगर पालिका

बैतूल/मुलताई। प्रदेश सरकार परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण के लिए गंभीर है किंतु स्थानीय नगर प्रशासन के लिए परंपरागत जल स्रोत, कभी प्राथमिकता नहीं रहे। नतीजा यह कि नगर के जल स्रोतों का आधार ताप्ती सरोवर और शनि सरोवर धीरे धीरे क्षतिग्रस्त होते जा रहे हैं। शनि सरोवर के घाट जगह-जगह से टूट कर बिखर गए हैं। ताप्ती सरोवर की स्थिति भी ठीक नहीं है। गजानन मंदिर के समक्ष वाले भाग की दीवार बाहर आ गई है। देख कर लगता है, कभी भी सरोवर में समा जाएगी। कर्बला घाट का अधूरा कार्य कई वर्षों से पूर्ण नहीं हुआ, वह अब भी अधूरा है। ताप्ती सरोवर का 12 क्वार्टर का पिछला भाग भी क्षतिग्रस्त है। ताप्ती सरोवर का शुलूस गेट, बीते 15 वर्षों से खराब है, नगर पालिका अनेकों बार परिषद प्रस्ताव ले चुकी है किंतु शुलूस गेट का स्थाई समाधान नहीं हो सका, ताप्ती निकासी मार्ग से ताप्ती सरोवर का जल पूरे वर्ष भर व्यर्थ बहता रहता है, जिससे ताप्ती सरोवर का जल स्तर निरंतर घटता है। नगर की जनता बीते 10 सालों से ताप्ती जल निकासी मार्ग के नवनिर्माण की मांग करते आ रही है, किंतु कोई नतीजा नहीं निकला। नागरिकों का मानना है कि सरोवर की उपेक्षा का मुख्य कारण यह है कि राजनीति करने वाले नेताओं और नगर प्रशासन के लिए नगर की आस्था से जुड़े सरोवर कभी प्राथमिकता नहीं रहे।

सरोवरो की अनदेखी और कचरा प्रबंधन पर करोड़ों खर्च- ताप्ती सरोवर, सूर्य नारायण सरोवर, शनि सरोवर स्थानीय राजनीति और स्थानीय नगर प्रशासन की अनदेखी का शिकार हो गए और देखते-देखते ही इन सरोवर की स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही है। जानकार बताते हैं कि नगर के शान यह सरोवर नगर प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए, किंतु इसके बजाय नगर पालिका ने कचरा प्रबंधन के नाम पर नगर से बाहर, मासोद रोड पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए। एक साथ खर्च नहीं किए जा सकते थे तो अलग-अलग पीस वर्क बनाकर खर्च कर दिए और आज भारी-भरकम राशि खर्च के बावजूद उस कचरा प्रबंधन का औचित्य खोजना कठिन हो रहा है।

सूर्य नारायण सरोवर में राशि और जल जाता कहां है- नेहरू वार्ड में सूर्य नारायण सरोवर का निर्माण, ताप्ती की मुरम से लगभग 20 वर्ष पूर्व किया गया था, अपने निर्माण कार्य से अब तक अनेकों बार लाखों रुपए सुधार कार्य के नाम पर खर्च किए गए, हर बार निर्माण कार्य, प्रारंभ करने के बाद यह दावा किया जाता कि अब सूर्य नारायण सरोवर में जल संग्रहित हो सकेगा, किंतु इन 20 वर्षों में इसमें लगाई गई राशि, कहां गई ना तो इसका पता है और ना ही इसमें कभी जल संग्रह ही हो पाया है। हाल ही में 2.0 योजना में फिर सूर्यनारायण सरोवर की सवा करोड़ रुपए की लागत से सुधार की योजना बनाई गई है। किंतु इसके बावजूद भी इस सरोवर में जल का भराव हो पाएगा, कहना बहुत कठिन है। दूसरी ओर जहां नगर पालिका ने 2.0 में लगभग नल जल एवं और सूर्यनारायण सरोवर 9 करोड़ के जल से संबंधित योजनाएं बनाई है, इस योजना में ताप्ती सरोवर के घाट ताप्ती सरोवर का सरोवर का जुलूस गेट एवं शनि सरोवर के घाट को भी शामिल कर सुधार की योजना बनाई जा सकती थी किंतु नगर की जो पहली प्राथमिकता है ना तो वह प्रशासन के लिए प्राथमिक है और ना ही जनप्रतिनिधियों ने उसे कभी प्राथमिक माना।

इनका कहना-

ताप्ती सरोवर और शनि सरोवर के घाट निर्माण की अभी कोई योजना नहीं है। ताप्ती सरोवर के शुलूस गेट का प्रस्ताव लेकर स्वीकृति के लिए भेजेंगे।

-योगेश अनेराव, उपयंत्री नगर पालिका

सकारात्मक दृष्टिकोण से मिलती है खुशी की अनुभूति

भोपाल। इंसान खुशी की अनुभूति कैसे कर सकता है, इस अहम विषय को लेकर सेज यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा पिछले दिनों सेज टॉक का आयोजन किया गया। जिसमे सुखी, समृद्ध और सम्पन्नता से परिपूर्ण समाज सेजियन्स के कार्य का मुख्य लक्ष्य था। इसी दृष्टांत को आगे बढ़ाते हुए सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के सहायक प्रोफेसर श्रावणी सुन्दरेसन एवं चंदन कुमार ने 'Happiness Through Positive Attitude and Gratitude' विषय पर सेज टॉक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सेज टॉक द्वारा डेनएसिया सुपर स्पेशलिटी डेंटल हॉस्पिटल भोपाल के सीईओ एवं मुख्य प्रेरक वक्ता डॉ. प्रशांत त्रिपाठी एवं प्रेरक वक्ता डॉ. पूजा त्रिपाठी ने उपस्थित सभी लोगों को विस्तार से बताया, कि किस तरह सकारात्मक दृष्टिकोण एवं कृतज्ञता के माध्यम से हम खुशी की अनुभूति कर सकते हैं। इस टॉक के माध्यम से 200 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने इसका भरपूर लाभ उठाया।

गौरतलब है कि इस सेट टॉक आयोजन में जिन 200 छात्र-छात्राओ को सेट टॉक के आयोजन से सुख शांति और समृद्धि की अनुभूति कैसे होता है इसका लाभ मिल, उसमें बैतूल जिले के भी दर्जनों छात्र- छात्राएं शामिल है। यह जानकारी सीआरपीएफ पीआरओ प्रदीप द्विवेदी द्वारा दी गई।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शहर में निकलेगी विशाल शोभायात्रा

जिला सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक में लिया निर्णय, दत्त मंदिर में आयोजित हुई बैठक

बैतूल। जिला सर्व ब्राह्मण समाज के आदर्श और शौर्य के प्रतीक भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर आगामी 10 मई 2024 को शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। परशुराम सेना द्वारा विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिला सर्व ब्राह्मण समाज ने सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव को समृद्ध करने में भागीदारी के लिए समस्त सर्व ब्राह्मण समाज को भगवान परशुराम जन्मोत्सव में आमंत्रित किया है। उल्लेखनीय है कि परशुराम जन्मोत्सव मनाने के लिए जिला सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक दत्त मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह 9:30 बजे दत्त मंदिर में भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना के बाद आरती की जाएगी। इसके बाद जिला अस्पताल की भोजनशाला में अंकुरित आहार का वितरण किया जाएगा। उसी दिन शाम को परशुराम सेना द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी। बैठक में प्रमुख रूप से सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र शुक्ला, कांतु दीक्षित,

अशोक (पप्पन मिश्रा), रामदेव, स्वदेश त्रिवेदी, प्रशांत भट्ट, पियूश तिवारी, ब्रजकिशोर पांडे, शैलेष गुबरेले, संजय शुक्ला, मनु देशपांडे, श्याम पांडे, अरविंद देशपांडे, प्रशांत मांडवीकर, विवेक देशपांडे, अजय शुक्ला, श्रीमन्त पांडे, करण पांडे, अंशुल मिश्रा, सोमेश त्रिवेदी, ध्रुव शुक्ला आदि स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

आयुष अधिकारी, कर्मचारियों ने ली मतदान की शपथ

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत जिला आयुष अधिकारी डॉ. उल्हास जाधव द्वारा स्वीप गतिविधि के अंतर्गत बुधवार को आयुष विभाग की मासिक बैठक के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारियों को मतदान करने हेतु शपथ दिलाई गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ.जाधव ने बताया कि जिले के समस्त आयुष चिकित्सालयों, औषधालयों एवं आयुष्मान आरोग्यम मंदिर में प्रतिदिन ओपीडी एवं चिकित्सा शिविर के माध्यम से मरीजों और उनके परिजनों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अक्षत जैन के निर्देशों के अनुपालन में जिले में स्वीप अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

सेवा कार्य कर मनाया संत सुधांशु महाराज का जन्मदिवस

हवन-पूजन, प्रसादी वितरण के साथ मरीजों को भोजन किया वितरित

बैतूल। गुरु का ज्ञान और शिक्षा ही जीवन का आधार है। गुरु के बिना जीवन की कल्पना भी अधूरी है। सनातन अवधारणा के अनुसार इस संसार में मनुष्य को जन्म भले ही माता-पिता देते हैं लेकिन मनुष्य का सही अर्थ गुरु कृपा से ही प्राप्त होता है। गुरु जगत व्यवहार के साथ भव तारक, पथ प्रदर्शक भी होते हैं। विश्व जाग्रति मिशन बैतूल द्वारा गुरूवार को जगत गुरू और प्रख्यात कथा वाचक पूज्य संत श्री सुधांशु जी महाराज का जन्मदिवस विश्वकर्मा मंदिर में उल्लास पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें हवन-पूजन, भजन और

प्रसादी वितरण किया और सभी दीक्षित गुरु भाई एवं बहनों ने पूज्य श्री की लंबी आयु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इससे पूर्व सेवा कार्य अंतर्गत जिला अस्पताल में प्रातः मरीजों और उनके परिजनों को अंकुरित आहार का वितरण एवं दोपहर में जिला अस्पताल में ही मरीजों एवं परिजनों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर भजन गायक डैनी सावन कुमार, डॉ. विनय सिंह चौहान, श्रीमति रेखा बारस्कर द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में रमेश बारस्कर, अजय पटवारी, दीपक मालवीय सहित बड़ी संख्या में गुरुभक्त मौजूद थे।

मतदान पूर्व तैयारियों की कलेक्टर ने की विधानसभावार समीक्षा

स्वीप की गतिविधियों में और लाएं तेजी: कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी

बैतूल। सभी बीएलओ व्हाट्सअप पर मतदाता परिवारों का ग्रुप बनाकर मतदान के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और स्वीप के नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बीएलओ के साथ गूगल मीट पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने मतदाता जागरूकता के लिए घोड़ाडोंगरी, मुलताई एवं आमला विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ से कहा कि वे मतदान प्रतिशत में वृद्धि के लिए नवाचार को शामिल करें।

मतदाताओं को व्हाट्सअप ग्रुप से जोड़े- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र के मतदाता परिवार का व्हाट्सअप ग्रुप बनाएं। उन्हें मतदान संबंधी कार्यक्रमों से जोड़े। उन्होंने कहा कि मतदान के प्रति उनके दायित्वों और मतदान के महत्व को बताते हुए मतदान के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य को किसी कारण से मतदान केंद्र तक जाने में कोई परेशानी हो तो उसकी नियमों के दायरे में रहकर सहायता करें। बीएलओ यह प्रयास करें कि प्रत्येक घर के हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि बैतूल जिले में 90 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखे। मतदान पर्व को मतदान महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। मतदान दलों का ढोल-नगाड़े के साथ स्वागत करें एवं गैर राजनीतिक रैली का आयोजन किया जाएगा।

मतदाताओं के लिए करें पेय पदार्थ की व्यवस्था- स्वीप के नोडल अधिकारी श्री अक्षत जैन ने कहा कि रोज बदलते मौसम को देखते हुए गर्मी की स्थिति में मतदान दलों के रहने, भोजन व्यवस्था एवं शौचालय तथा साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था करें। भीषण गर्मी की स्थिति में मतदाताओं को पेयजल एवं शरबत आदि की व्यवस्था की जाए। बैग सदस्यों द्वारा यह प्रयास किया जाए कि मतदाता सुबह 7 बजे से 12 बजे के पूर्व अधिक से अधिक मतदान कर सकें। शासकीय कर्मचारी अपने परिवार सहित शत प्रतिशत मतदान करें।

प्रवासी मतदाताओं को मतदान हेतु निमंत्रण- संसदीय क्षेत्र के बाहर कार्यरत ऐसे मतदाता जो अपने मतदान क्षेत्र से दूर है को दूरभाष एवं मोबाइल पर 7 मई को मतदान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इनमें ऐसे मतदाता शामिल है जो काम-धंधे, पढ़ाई, विवाह समारोह आदि के कारण मतदान केन्द्र से दूर है, को मतदान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही मतदान के संबंध में स्वच्छता वाहनों के माध्यम से ऑडियो के रूप में मतदान दिवस एवं समय को उद्घोषणा के रूप में प्रसारित किया जाएगा। दीवार लेखन के माध्यम से 7 मई को प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान किए जाने का उल्लेख किया जाएगा।

शिव धनुष ब्रह्म को पहचानने की कसौटी है : पं. निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल। किलेदार परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीराम कथा महोत्सव के चतुर्थ दिवस भगवान श्री राम की बाल लीला विश्वामित्र यज्ञ रक्षा धनुष यज्ञ परशुराम लक्ष्मण संवाद व श्री राम जानकी विवाह का वर्णन हुआ। कथा प्रवक्ता मानस महारथी पं निर्मल कुमार शुक्ल ने कहा कि भगवान शंकर का धनुष ब्रह्म को पहचानने की कसौटी है। जैसे स्वर्णकार की दुकान पर कसौटी पर कस कर असली सोने की पहचान की जाती है उसी प्रकार यह धनुष ब्रह्म को पहचानने का माध्यम है। पं शुक्ल ने कहा कि नारद जी ने एक बार भगवान विष्णु और शिव जी में विरोध करवा दिया परिणामस्वरूप दोनों देवताओं में बड़ा घनघोर युद्ध हुआ, अंततः युद्ध का कोई परिणाम निकलते न देख कर दोनों देवताओं ने अपने धनुष पर ब्रह्मास्त्र चलाया। इस दृश्य को देखकर सारा ब्रह्माण्ड कांप गया ब्रह्मा जी ने जगत विनाश के भय से शाप देकर दोनों के धनुषों को जड़ कर दिया। भगवान विष्णु ने अपना जड़ धनुष ऋचीक ऋषि को दे दिया तथा भगवान शंकर ने मिथिला नरेश राजा देवरात को अपना अजगव नामक जड़ धनुष दे कर कहा कि सदैव इसकी पूजा करना। राजा के पूछने पर भगवान शंकर ने कहा कि एक दिन तुम्हारे वंश में आदिशक्ति पुत्री बन कर आएगी

तथा खेल खेल में इस धनुष को अल्पायु में ही बाएं हाथ से उठा लेगी तब समझ लेना कि धरती पर ब्रह्म का अवतरण हो गया है और तत्काल धनुष यज्ञ का प्रण कर देना। जिस तरह सर्प अपनी मणि को खोजता है वैसे ही जहां कहीं भी होगा परमात्मा तुम्हारी कन्या को प्राप्त करने आ जाएगा, यह धनुष ब्रह्म के अतिरिक्त कोई तोड़ नहीं सकता बस धनुष टूटते ही कन्या का पाणिग्रहण परमात्मा के हाथ करके कृतार्थ हो जाना। राजा देवराज के 8 पीढ़ी बाद राजा जनक हुए यह इन्हें सब समाचार मालूम था। एक दिन खेल खेल में सीता ने बायें हाथ से धनुष को उठा लिया बस यह देखते ही राजा समझ गये मेरे घर में आदिशक्ति का अवतार हो गया है और तत्काल धनुष यज्ञ की घोषणा कर दी। पं शुक्ल ने विशाल जनसमूह को भाव विभोर करते हुए आगे कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से हमारा हृदय ही जनकपुर का विवाह मंडप है तथा भक्ति ही सीता और हमारा ज्ञान ही श्री राम के रूप में विद्यमान है। हमारे अंतःकरण में भक्ति और ज्ञान का मिलन हो जाना ही सीता राम का विवाह महोत्सव है। भक्ति ज्ञान वैराग्य जनु सोहत धरे शरीर। इससे पूर्व महाराज श्री ने श्रीराम की बाल लीला ताड़का सुबाहु वध और पुष्प वाटिका की मनोहारिणी कथा का मार्मिक विवेचन किया। राजा ठाकुर ने वक्ता और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। अरुण सिंह किलेदार, राजेन्द्र सिंह और प्रदीप सिंह किलेदार तथा राजसिंह परिहार, ऋषिराज सिंह परिहार ने सभी धर्म प्रेमी श्रोताओं से हजारों की संख्या में पधार कर कथा अमृत पान करने का आग्रह किया है।

रामनिवास के भाजपा में शामिल होने पर पटवारी का पलटवार

पीसीसी चीफ बोले-चंबल की माटी कभी गद्दारों को पसंद नहीं करती

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस के सीनियर लीडर और विजयपुर से छह बार के विधायक रामनिवास रावत दो दिन पहले बीजेपी में शामिल हो गए। रावत के बीजेपी में शामिल होने के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने पलटवार किया है। भोपाल में मीडिया से चर्चा में पटवारी ने कहा- स्वाभाविक है कि ऐसे जितने भी लोग हैं उनकी सदस्यता जाएगी। जिन्होंने कांग्रेस पार्टी से टिकट लिया, चुनाव जीते और सत्ता सुख भोग रहे हैं। मैं मानता हूं कि वहां चुनाव कांग्रेस ही जीतेगी। चंबल की माटी ने कभी गद्दारों और वादाखिलाफी को पसंद नहीं किया है। चंबल की माटी ने हमेशा बागियों का सम्मान किया है जिन्होंने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी। आजादी का बिगुल भी वहीं बजा था। रामप्रसाद बिस्मिल वहीं के थे। पटवारी से जब पूछा गया कि रावत ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। क्या कांग्रेस उन्हें निष्कासित करेगी? इसके जवाब में जीतू पटवारी ने कहा- निश्चित तौर पर, जो कानून सम्मत होगा वह करेंगे।

बीजेपी सिर्फ कांग्रेस के न्याय पत्र की चर्चा कर रही- जीतू पटवारी ने कहा कि प्रियंका गांधी का आज मुरैना का दौरा है। मैं मानता हूं कि देश में एक भावना आई है कि लोकतंत्र को और आरक्षण को बचाना है।

बीजेपी संविधान बदलना चाहती है

जीतू पटवारी ने कहा- संविधान को बदलना और सहमति से करना। इन दोनों बातों में अंतर है। मैं मानता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के जो सांसद प्रत्याशी हैं उन्होंने कहा हमें 400 सीटें चाहिए। क्योंकि हमें संविधान बदलना है, आरक्षण समाप्त करना है। हमें 400 सीटें इसलिए चाहिए क्योंकि, वोट के अधिकार को कम करना है।

बीजेपी कानून को नहीं मानती

पटवारी ने कहा- भाजपा कानून और संविधान को नहीं मानती। और, चुनाव आयोग को भी नहीं मानती। लोकतंत्र की हत्यारी यह पार्टी इसने 17 सरकारी गिराई। उसने विधायकों, सांसदों की मंडी बना दी। सबसे बड़ी बात ये है कि अब ये लोग बूथ कैपचरिंग के साथ-साथ प्रत्याशी का अपहरण करने लगे हैं।

सीएम के बयान पर बोले-वे भूलें नहीं, मैं भी ओबीसी हूं

सीएम मोहन यादव के बयान पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- मोहन यादव जब मैं आपसे बात करता हूं तो आप ये भूलें नहीं कि, मैं भी ओबीसी की श्रेणी में आता हूं। जब मैं आपसे बात करता हूं कि हमारे मध्य प्रदेश में एनसीआरबी के आंकडों के अनुसार 17 बहनों के रोज रेप होते हैं। भोपाल में 8 साल की बच्ची का रेप हुआ। 10 साल की बच्ची से अलीराजपुर में रेप हुआ।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में भालू का अंगीकरण

भोपाल (नप्र)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में वन्य-प्राणी अंगीकरण योजना एक जनवरी, 2009 को प्रारंभ की गई थी। इस योजना अंतर्गत मास्टर विवान जोशी इंदौर ने पर्यावरण तथा वन्य-प्राणियों के संरक्षण के प्रति प्रेम की ओर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए नर भालू ''मैक्स'' को एक मई, 2024 से तीन माह के लिये गोद लिया। उल्लेखनीय है कि विवान जोशी चौइथराम इंटरनेशनल स्कूल इंदौर के कक्षा नौवीं के छात्र हैं, जिनके द्वारा वन विहार में पहली बार भालू को गोद लिया गया है।

श्री विवान जोशी द्वारा वन विहार के संचालक श्री अवधेश मीना को अंगीकरण के लिये आवश्यक राशि 25 हजार रुपये चैक के माध्यम से प्रदान की गई। वन विहार की संचालक द्वारा विवान जोशी को

नर भालू ''मैक्स'' के अंगीकरण बावत प्रमाण-पत्र प्रदाय किया गया। वन्य-प्राणियों को गोद लेने की यह योजना जन-जन में वन्य-प्राणियों के संरक्षण के प्रति सद्भावना के लिये प्रारंभ की गई है।

भोपाल के जेपी नगर में निगम अमले को पीटा

सूखा-गीला कचरा अलग-अलग मांगने पर विवाद; कल से गाड़ियां नहीं चलाने की चेतावनी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जेपी नगर में गुरुवार को नगर निगम की टीम पर दो भाइयों ने हमला कर दिया। सूखा और गीला कचरा अलग-अलग मांगने पर उन्होंने कर्मचारियों से मारपीट की। मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। इधर, निगम के कचरा वाहन के कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो वे कल यानी, शुक्रवार से डोर-टू-डोर कचरा नहीं उठाएंगे। ऐसे में करीब 450 गाड़ियों के पहिये थम सकते हैं।

निगमकर्मी मो. साजिद (28) निवासी शाहजहांनाबाद, रेखा इंगले और करण इंगले से मारपीट की गई। गुरुवार दोपहर में वार्ड-15 के जेपी नगर की गली नंबर-3 में वे डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने पहुंचे थे। इसी दौरान तारीक पिता कम्मू खान और उसका छोटा भाई छोटू गाड़ी में कचरा डालने आए। कर्मचारियों ने उनसे कहा कि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग दे दें। इस बात से दोनों भाई गुस्सा उठे और अभद्रता करते हुए मारपीट करने लगे। मो. साजिद ने बताया, दोनों भाइयों ने तलवार से काट देने की बात भी कहीं।

कमजोर जनजातीय समूहों की लोकतंत्र में सहभागिता के लिये आयोग के प्रयास रंग लाये

प्रदेश में बैगा एवं भारिया जनजातीय समूह के मतदाताओं ने भारी उत्साह से किया मतदान

भोपाल (नप्र)। देश के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करने के लिए पिछले दो वर्षों में भारत निर्वाचन आयोग के प्रयासों के प्रतिफल अब सामने आने लगे हैं। लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश के जनजातीय समूहों ने पहले और दूसरे चरण में उत्साहपूर्वक भाग लिया है। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रिया में पीवीटीजी को शामिल करते हुए मतदाताओं के रूप में उनके नामांकन और मतदान में भागीदारी के लिए पिछले दो वर्षों में विशेष प्रयास किए हैं। मतदाता सूची के अपडेशन के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान, जहां पीवीटीजी निवास करते हैं, मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष आऊटरीच कैम्प आयोजित किए गए थे। गौरतलब है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने पीवीटीजी को देश के गौरवशाली मतदाताओं के रूप में नामांकित और सशक्त बनाने के लिए आयोग के विशेष प्रयासों पर जोर दिया था।

मध्यप्रदेश में बैगा और भारिया जनजातीय मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर किया मतदान- मध्यप्रदेश में बैगा, भारिया और सहरिया तीन पीवीटीजी हैं। प्रदेश में 23 जिलों की कुल 9 लाख 91 हजार 613 आबादी में से 6 लाख 37 हजार 681 पात्र मतदाता हैं और ये सभी मतदाता सूची में पंजीकृत हैं। राज्य में अब तक हुए दो चरणों के मतदान में बैगा और भारिया जनजाति के मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। यह मतदाता सुबह-सुबह ही अपने मतदान केंद्र पर पहुँच गए। मतदान के लिए अपनी बारी का इंतजार किया और लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उत्साह से मतदान किया। इन मतदाताओं की सुविधा के लिये दुर्गम क्षेत्र में भी नये मतदान केन्द्र स्थापित किये गए थे।

सामाजिक समरसता का विशिष्ट आयोजन, सफाईकर्मियों का किया सम्मान

सिल्वर हिल कॉलोनी की ओंकारेश्वर महादेव मंदिर समिति हर साल करती है अनुकरणीय आयोजन

धार। शहर की सिल्वर हिल कॉलोनी की ओंकारेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा हनुमान जयंती के उपलक्ष में मंगलवार को सामाजिक समरसता भोज और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मंदिर समिति का आयोजन एक विशेष परंपरा बन चुकी है। इसके तहत समाज के सभी वर्गों के लोगों की मौजूदगी में यह आयोजन होता है। समाज के सभी वर्गों का सम्मान भी किया जाता है। इसमें सफाईकर्मी भाई व बहनों का परंपरागत तरीके से सम्मान किया गया। यह आयोजन न केवल धार बल्कि जिले का एक विशिष्ट आयोजन बन गया है।

सबसे पहले आयोजन के तहत हनुमान जी की महाआरती की गई। इसके बाद भगवान भोलेनाथ की महाआरती हुई। फिर सामाजिक समरसता सम्मान समारोह की शुरुआत हुई। इस मौके पर डा. केसी जिंदल ने श्री महावीर और श्रीमती दुर्गा का सम्मान किया। डॉ. सुमित सिसोदिया ने शैलेंद्र और श्रीमती लक्ष्मी का सम्मान किया। जबकि इंदरलाल व सुनीता बाई का प्रेम विजय ने सम्मान किया। दिलीप व श्रीमती सीमा बाई का डाक्टर निधिश गुप्ता ने सम्मान किया। इसी प्रकार जितेंद्र व श्रीमती राखी का श्री सुधीर ठाकुर ने सम्मान किया। गिरीश व श्रीमती काजल का अरिहंत सेठिया व विशाल व पूजा खरे का दिलीप जैन ने, विकास खोड़े - मंजु खोड़े का डॉक्टर मधुसूदन आलेकर तथा श्री शंकर खोडे व सोनाली खोड़े का श्री ओंकारलाल चौहान, विशाल व मंजु का अनुज भोला तिवारी ने सम्मान किया। इस अवसर पर डा अजेश माइकल व डा लीना माइकल ने भी संदीप खोड़े का सम्माान किया। इस तरह से सभी सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया। जनवरी से लेकर अप्रैल तक अनवरत रूप से निकाली गई प्रभातफेरी का भी इस मौके पर समापन हुआ।

सर्व समाज के लोगों की मौजूदगी रही....

इस अवसर पर ब्राह्मण समाज से अनिल तिवारी, देवेंद्र शर्मा, राजस्थानी ब्राह्मण समाज से प्रकाश जोशी, बावीसा ब्राह्मण से भीष्म दुबे, अग्रवाल समाज से रितेश अग्रवाल, वाल्मीकि समाज से रमेश खोड़े व शंकर खोड़े, मराठा समाजा से मुरलीधर बूटे, महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण समाज शिरीष मुक़ादम, नीमा समाज राजेश गुप्ता, सावन गुप्ता ,सेन समाज शिवा आर्य, सिख समाज से हरजीत सिंह होरा, पाटीदार , रमेश पटेल , अनिल बोरदिया व संजय पाटीदार, दर्जी समाज से सुरेश पंवार, राजपूत समाज से राजेंद्र चौहान व जसवीर भाटी, घनश्याम सिसोदिया जैन समाज से सुनील कांकरिया, जाट समाज से लीलाधर दांडक, माली समाज से अरुण टांक, रघुवंशी समाज भेरुसिंह बारोड़ , सुनील रघुवंशी एवं मोहन तोमर आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ जैन ने किया। आभार रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के अध्यक्ष श्री मोहन कडूसकर ने माना।

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर का दिग्ठान मंडल के ग्रामों में सघन जनसंपर्क

धार। धार- महू लोकसभा क्षेत्र की भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सावित्री ठाकुर और धार विधायक नीना वर्मा का गुरुवार को जनसंपर्क कार्यक्रम धार विधानसभा के दिग्ठान मंडल में ग्राम सुलावड़ से प्रारंभ होकर अचाना मुंडाना राधानगर कुंवरसी मांगरोल पिपलिया नारायणपुर बछड़ावदा होते हुए दिग्ठान में समापन हुआ। भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ठाकुर ने 13 मई को होने जा रहे चुनाव के लिए संपर्क से समर्थन मांगकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए अपील की ।

जनसंपर्क के दौरान भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता से आव्हान किया कि 7 मई को धार नगर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आ रहे है तो आप सभी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। जनसंपर्क के दौरान भाजपा नेता कल्याण सिंह पटेल विनीत मंडलोई दिग्ठान मंडल अध्यक्ष नारायण सिंह पटेल ,पियूष सोनगरे सहित मंडल पदाधिकारी अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे .

नालछा में आज होगी आध्यात्मिक संत सतपाल महाराज की विशाल आमसभा

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के समर्थन में करेंगे संबोधित

सुबह सवेरे धार/नालछा। भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री अध्यात्मिक संत सतपाल जी महाराज 3 मई शुक्रवार को धार जिले के नालछा प्रवास पर रहेंगे। जहां भारतीय जनता पार्टी की धार-महू लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के समर्थन में विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे ।

आमसभा प्रभारी भोजपाल सिंह ठाकुर व सह प्रभारी निखिल ग्वाल ने बताया की दिल्ली से दोपहर 12 बजे विशेष विमान द्वारा इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे.वहा से कार द्वारा दोपहर ढाई बजे नालछा पहुंचेंगे तत्पश्चात नालछा में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित कर पुन: कार द्वारा इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे वहा से शाम सात बजे भोपाल पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम भोपाल में ही करेंगे ।

आम सभा में हजारों लोगो के नालछा पहुंचने की संभावना है इस दौरान लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी,धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर उनके साथ मोजूद रहेंगे .गुरुवार को नालछा में सभा स्थल पर तैयारी को लेकर धरमपुरी विधानसभा प्रभारी मुकेश परमार,जिला मंत्री पवन कुशवाह,विधानसभा सह संयोजक रविंद्र परिहार,नालछा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश कामदार,महामंत्री विनोद ठाकुर,संतोष राठौड़,अशोक मिरदवाल,विधायक प्रतिनिधी संतोष पटेल व डा.महेश यादव,नालछा सरपंच मोहन डावर,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सन्नी चौहान,मंडल मंत्री मयंक जैन,सचिन दायमा आदि ने निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और वाहन पार्किंग,पेयजल,स्वच्छता व मंच व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओ को लेकर कार्यकर्ताओं को जवाबदारी सौपी गई।

नांदूरबार के दंत रोग विशेषज्ञ ने बगलामुखी दरबार में चढ़ाया छत्र और ध्वजा

बैतूल। जिले के विख्यात दस महाविद्या पीठ मां बगलामुखी मन्दिर सावंगी में नांदूरबार के दंत रोग विशेषज्ञ प्रशांत शिल्पी द्वारा माता रानी के चरणों में 500 ग्राम चांदी का छत्र भेंट किया गया। माता बगलामुखी सिद्ध शक्तिपीठ सावंगी में मां बगलामुखी साधक शिष्य परिवार द्वारा माता बगलामुखी कों तन्त्रोक्त पध्दति से विधिवत पूजा अर्चना कर छत्र को दरबार में सुशोभीत किया। इस अवसर पर मां बगलामुखी के सिद्ध साधक आचार्य रविन्द्र मानकर ने बताया कि 7 माह पूर्व मां बगलामुखी मन्दिर से नांदूरबार के दंत रोग विशेषज्ञ की बगलामुखी दीक्षा संपन्न हुई थी, दीक्षा के बाद उन्होंने गुरुदेव रविन्द्र से मां बगलामुखी आकर साधना सीखी और उसके कुछ दिनों बाद माता पीताम्बरा कृपा से उनके व्यापार और जीवन बहुत से चमत्कार घटित हुए। जिसके चलते उन्होंने माता बगलामुखी को 500 ग्राम चांदी का छत्र भेंट किया जिसका मूल्य लगभग 40 हजार हैं। वहीं इस छत्र का निर्माण धामनगांव निवासी अनिल सोनी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गुड़गांव से आये मां बगलामुखी साधक किशोर साहू ने बताया कि माता बगलामुखी की दीक्षा उन्हें पीताम्बरा पीठ सावंगी से मिली। माता बगलामुखी कृपा से उनके जीवन में शत्रूबाधा और ग्रह क्लेश से मुक्ति मिली हैं। मां बगलामुखी मन्दिर सावंगी में माता भक्त सुनील चढोकार, विजय प्रजापति, मूर्तिकार अजय पानकर, भजन गायक किशोर साहू, प्रज्ञा साहू, आदर्श चढोकार आदि भक्त मौजूद रहे। माता के भजनों का सत्संग, बगलामुखी यज्ञ संपन्न हुआ।

प्राकृतिक स्विमिंग पूल में प्रशिक्षण पाते नये तैराक..

नर्मदापुरम। ग्रीष्म कालीन सुबह नर्मदा का तट आध्यात्मिक सुकून वाला दिखाई देता है। सुबह सुबह नर्मदा तट पहुंच कर सूर्योदय देखने वाले, स्नानार्थियों सहित जलक्रीड़ा कर आंनद लेने वाले और सीखने वालों का कोलाहल सुन उपस्थित समुदाय को प्रफुल्लित और प्रसन्नचित्त कर देता, शांत नर्मदा के जल में तैराकी सीखने वालों की नित्य प्रति बढ़ रही तादाद और तकनीक सीखने की चाह, उनकी क्षमताओं को विकसित करने में लगे नि:शुल्क प्रशिक्षण देते मुकुल गुप्ता वास्तविक तैराकी किरदार साबित हो रहे जो अपने लडकपन से ही तैराकी को विधा बनाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तैराक पहुंचाने वालों में शामिल यह नाम नगर में सार्वजनिक सुविधाजनक एक सरकारी स्विमिंग पूल की करते आ रहे जो राजनीति में गंदे लोगों की पहुंच पकड़ से पूरी नहीं हो पाती, उनकी किस्मत आज भी मां नर्मदा का वही सदियों पुराना प्राकृतिक आंचल (स्विमिंग पूल) में अपने बच्चों के बच्चों की उम्र के नन्हें मुन्नों को आज भी प्रशिक्षित करते चले आ रहे.. होशंगाबाद से नर्मदापुरम तक के सफर में वास्तविक यही एक सार्थक विकास की गति नगर में यथार्थ दर्शन कराती है।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने ग्वालियर ग्रामीण जिले के भितरवार विधानसभा के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं प्रभारियों की बैठक को किया संबोधित

मतदान प्रतिशत बढ़ाने पन्ना प्रमुख घर-घर संपर्क करें: हितानंद जी

● नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने हर बूथ जीतना है

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के ग्वालियर ग्रामीण जिले के भितरवार विधानसभा के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, शक्ति केन्द्र संयोजकों एवं प्रभारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाना है, इसके लिए हमें हर बूथ जीतना है। हर बूथ को ऐतिहासिक बहुमत से जीतने के लिए भाजपा कार्यकर्ता 370 नए मतदाता पार्टी से जोड़ने के लक्ष्य को पूरा करना है। भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी भी हो जाती है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें। पार्टी के पन्ना प्रमुख और बूथ समिति के सभी कार्यकर्ता मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी घर-घर मतदाताओं से संपर्क करें।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए राष्ट्र प्रथम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी राष्ट्र को विकसित बनाने के साथ विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं, इसलिए हम सबका दायित्व और बढ़ जाता है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते दस वर्षों में देश का सभी क्षेत्रों में लगातार विकास हो रहा है।

हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के अन्य सभी राजनीतिक दलों से बहुत अलग दल है। हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि होता है। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित दल है, कार्यकर्ता ही संगठन को चलाते हैं। आज कार्यकर्ताओं की बदौलत ही भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन सका है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमें हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का जो लक्ष्य दिया है, उसे पूरा कर श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। हर बूथ पर 370 नए वोट पार्टी के खाते में जोड़कर प्रदेश की 29 की 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री जी युवा, किसान, गरीब और महिलाओं सहित सभी के कल्याण के लिए कार्य कर रहे

प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि मेरे लिए देश में सिर्फ चार जातियां हैं, गरीब, युवा, किसान और महिला। प्रधानमंत्री इन चार जातियों के साथ हर समाज वर्ग के कल्याण, विकास और उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर जनता को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के बीते दस वर्ष के कार्यकाल में किए गए विकास, गरीब कल्याण व जनहितैषी कार्यों की जानकारी जनता को देकर भाजपा के लिए आशीर्वाद मांगे। कार्यकर्ता जनता को बताए कि प्रधानमंत्री जी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं, इसलिए आप सभी श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को वोट दें।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आरक्षण की सियासत धर्म के आधार पर वोट बांटेगी?

तीसरे दौर के मतदान की तारीख करीब आते ही सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्षी गठबंधन इंडिया का हर नेता सिर्फ आरक्षण की ही बात कर रहा है। ऐसा लगता है कि लोकसभा के इस चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण ही रहने वाला है। 2014 में जिस तरह भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा था,2019 में जिस तरह सर्जिकल स्ट्राइक मुद्दा बना उसी तरह आरक्षण का मुद्दा भी पक गया। अब तक दो चरणों में लोकसभा की कुल 191 सीटों के लिए वोट डाले जा चुके हैं। तीसरे चरण में 94 सीटों पर सात मई को वोट डाले जाएंगे। पहले चरण के वोट डाले के जाने के बाद ही भाजपा ध्रुवीकरण के लिए अलग-अलग तरीके से मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति कांग्रेस की नीति का जिक्र करने लगे। नौ साल पुराना डॉ. मनमोहन सिंह का बयान भी सामने आया। इसी तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का 2015 में आरक्षण को लेकर दिया गया बयान चर्चा में है। आरक्षण पर लड़ाई रोज तीखी होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग हर जनसभा में इस बात को कह रहे हैं कि 'जब तक जिंदा हूं मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं लेने दूंगा।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आरोप है कि कांग्रेस अनुसूचित जाति,जनजाति और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीनकर अपने मुस्लिम वोट बैंक को देना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी की आरक्षण की राजनीति में धर्म की राजनीति का एजेंडा भी शामिल है। जबकि कांग्रेस की आशंका है कि भाजपा चार सौ पार सीट अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग का आरक्षण समाप्त करने के लिए चाहती है। आरक्षण पर भाजपा की नीति पर संदेह की वजह उनके नेताओं के अलग-अलग समय पर दिए गए कई बयान हैं। 2015 में हुए बिहार विधानसभा के चुनाव से पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत का जो बयान आया था,उसने भी वहां के नतीजों पर असर डाला था। मौजूदा राजनीति में भागवत लगातार इस बात को दोहरा रहे हैं कि आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए,जब तक कि जिस वर्ग को मिल रहा है,वह जारी रखने पर सहमत हो। संविधान में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण पहले दस साल के लिए दिया गया था। लेकिन, राजनीतिक कारणों से समीक्षा के बाद इसे हर बार दस साल के लिए बढ़ा दिया जाता है। तीन दिन पहले संघ प्रमुख ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में कहा कि- कि संघ ने कभी भी कुछ खास वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण का विरोध नहीं किया है। भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि जब तक जरूरत है, आरक्षण जारी रहना चाहिए।

संविधान पर संकट और मुस्लिम आरक्षण

कांग्रेस लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही संविधान बचाओ के नारे के साथ अपनी सियासत को आगे बढ़ा रही थी। शुरूआती दौर में लग रहा था कि कांग्रेस अपने मुद्दे को दूरदराज के गावों में रहने वाले वोटर तक नहीं पहुंचा पाएगी। लेकिन, विभिन्न सर्वे एजेंसी के नतीजे बताते हैं कि ईडी,सीबीआई के साथ-साथ आरक्षण का मुद्दा भी नीचे तक पहुंच गया है। कांग्रेस के जितने भी नेता दल छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं,उन्हें लेकर भी जनता का मूड बहुत उत्साहित करने वाला नहीं है। अपने नेताओं के पार्टी छोड़ने के घटनाक्रम से बेपरवाह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने भाजपा को अपने पुराने धर्म के एजेंडे पर आने के लिए मजबूर कर दिया। भाजपा के मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे का लाभ भाजपा को हिंदी पट्टी के राज्यों में ही मिलना है। भाजपा भी अपने गाय और राम मंदिर के वोटर के विभाजन को रोकने की कोशिश में लगी हुई है। इंडिया गठबंधन के जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर पिछड़ा वर्ग के कुछ वोटर के भाजपा से दूर जाने का खतरा भी बना हुआ है। प्रधानमंत्री की मंगलसूत्र का मुद्दा भी पिछड़ा वर्ग के वोटर को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए ही लाए थे। लेकिन,यह मुद्दा उसके वोटर के ही गले नहीं उतर पाया। तब मजबूरी में मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा आगे करना पड़ा। इससे आरक्षण को लेकर एक नई बहस पूरे देश में शुरू हो गई। इस बहस में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का मुद्दा भी जुड़ा गया। इससे ओबीसी आरक्षण कैसे प्रभावित होगा,यह भी बहस का विषय है। आरक्षण का मुद्दा बहस में आने से राहुल गांधी को यह बताने में आसानी हो गई कि भाजपा को चार सौ पार सीट किस संविधान संशोधन के लिए चाहिए। अब सफाई भाजपा नेताओं को देना पड़ रही है।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण को भूली भाजपा

लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को कोई चुनौती दिखाई नहीं दे रही थी। प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी के नाम को लेकर भी झिझक गठबंधन के भीतर दिख रही थी। पहले दो चरण के चुनाव में प्रचार में भी कांग्रेस पिछड़ रही थी। गठबंधन के पास भाजपा के मुकाबले में प्रचार में उतरने वाले दमदार चेहरों की कमी भी दिख रही थी। लेकिन, एक आरक्षण के मुद्दे ने पूरे गठबंधन में जान डाल दी। आरक्षण का मुद्दा इतना गर्म हो गया है कि भाजपा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को दिए जा रहे आरक्षण की भी चर्चा नहीं कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर सभी जाति धर्म के सामान्य वर्ग को दस प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के लिए संविधान संशोधन पिछले लोकसभा चुनाव के ठीक पहले किया गया था। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस आरक्षण को अपनी मंजूरी दे चुकी है। इस चुनाव में मुस्लिम आरक्षण की चर्चा बहुत हो रही है लेकिन, आर्थिक आधार पर मिलने वाले आरक्षण का लाभ मुस्लिम भी ले रहे हैं,इसका जिक्र कोई राजनीतिक दल नहीं कर रहा है।

आरक्षण तय सीमा के लिए होना चाहिए

आरक्षण को लेकर समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट सवाल करता रहा है। नवंबर, 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण के मामले की सुनवाई के दौरान कहा-शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण की नीति अनिश्चितकाल तक जारी नहीं रह सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आरक्षण का असली मकसद उन वजहों को खत्म करने में है जो समुदाय के कमजोर वर्गों के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन को जन्म देते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरक्षण नीति की एक समय सीमा होनी चाहिए। आजादी के 75 साल बाद समाज के व्यापक हित में आरक्षण की व्यवस्था पर फिर से विचार करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद भी कोई पार्टी आरक्षण को हटाने की बात करने तक से भी कतराती है। हां, एक-दूसरे पर आरोप जरूर लगाए जाते हैं, जैसा कि मौजूदा आम चुनाव में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की इस तरह की टिप्पणी को संविधान संशोधन के लिए बड़ा आधार माना जा रहा है।

आरक्षण के मुद्दे का असर राजगढ़ से जानिए

राजगढ़ लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने भाजपा से रोडमल नागर हैं। वे पिछड़ा वर्ग से हैं। किरार हैं। इस लोकसभा सीट पर आरक्षण के मुद्दे पर जो बवाल तीन दिन पहले मचा उसकी चर्चा अनुसूचित जाति वर्ग में खूब हो रही है। वोटर की नाराजगी के बाद मंत्री गौतम टेटवाल को कहना पडा कि आरक्षण को कोई हाथ लगाकर देखे, हाथ जला देंगे, तभी एक युवक गुस्से में उनके सामने आकर बोला- आपकी भाजपा के चार सांसद कह रहे हैं कि आरक्षण खत्म करना है। 400 पार करना है, भारतीय संविधान और आरक्षण को खत्म करना है। लोग युवक को बोलने से रोकते रहे, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद मंत्री वहां से चले गए। घटना जांगड़ा मेघवाल समाज के सम्मेलन में हुई। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश सरकार में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल समेत कांग्रेस के भी कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कुछ देर तक मंच पर भाषण चलते रहे। अजाक्स के एक पदाधिकारी ने अपने भाषण में कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण दिया, जिसको दबाया जा रहा है। एक लाख 40 हजार पद आज भी खाली हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा था एक लाख पदोन्नति की पूर्ति कर देंगे, लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हुआ। क्या सब सो रहे हैं? अजाक्स पदाधिकारी की बातें सुनकर मंच पर मौजूद मंत्री गौतम टेटवाल भड़क गए और बोले- मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाने आया हूं, अगर आरक्षण को किसी ने हाथ भी लगाया तो हम उसके हाथ जला देंगे।

टेटवाल की बात सुनकर भीड़ से एक युवक मुकेश मेघवाल निकलकर आया और बोला-जब आपकी पार्टी के सांसद ऐसा बोल रहे थे तब आपने स्टेटमेंट देकर क्यों विरोध नहीं किया। इस पर मुकेश और राज्यमंत्री के बीच जमकर कहासुनी हुई।

दिग्विजय का बंटाधार कर चुका है आरक्षण

1993 से 2003 तक लगातार दस साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह को सबसे ज्यादा नुकसान उनके दलित एजेंडा ने पहुंचाया था। राज्य में पदोन्नति में आरक्षण उन्हीं की सरकार ने लागू किया था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने भी इसे जारी रखा। वैसे 2016 में उनकी सरकार सिर्फ इस बयान के कारण चली गई थी कि कोई माई का लाल पदोन्नति में आरक्षण नहीं छीन सकता। इसी तरह का बयान 2003 के चुनाव से पहले दिग्विजय सिंह का चर्चा में था कि मुझे सवर्णों के वोट नहीं चाहिए। पदोन्नति में आरक्षण के नियमों को हाई कोर्ट द्वारा निरस्त किए जाने के बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई थी। कोर्ट में पिछले आठ साल से मामला चल रहा है। इसका दुष्प्रभाव सरकार के कामकाज पर पड़ा है। पदोन्नति के अभाव में सरकार ने अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उच्च पद का प्रभार देना शुरू कर दिया। इस प्रक्रिया में पटवारी,नायब तहसीलदार का प्रभार लेकर बैठा है। राजस्व निरीक्षक डिप्टी कलेक्टर का काम देख रखा है। पुलिस में सिपाही सब इंस्पेक्टर के स्टार लगाकर चल रहा है। सब इंजीनियर, कार्यपालन यंत्री हो गया है।जबकि उनकी पदोन्नति हुई नहीं है। सरकार को निचले पदों के लिए कर्मचारी आउटसोर्स करना पड़ रहा है। सीधी भर्ती भी इससे प्रभावित हो रही हैं।

तीन सरकारें भी तय नहीं कर पाईं पदोन्नति नियम

वर्ष 2016 में हाई कोर्ट जबलपुर ने पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया था। तब से अब तक तीन सरकार बदल चुकी हैं लेकिन कोई भी सरकार पदोन्नति का रास्ता नहीं निकाल पाई हैं। दरअसल, मामला पदोन्नति में आरक्षण को लेकर फंसा हुआ है। इसको लेकर शिवराज सरकार ने समिति भी बनाई और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से नियम भी बनवाए पर अभी तक कोई रास्ता नहीं निकल पाया है। इस बीच हजारों अधिकारी-कर्मचारी बिना पदोन्नत हुए ही सेवानिवृत्त हो गए। शिवराज के बाद कमलनाथ सरकार भी 15 माह के लिए आई पर उसने भी कुछ नहीं किया। मार्च 2020 में फिर शिवराज सरकार बनी और उन्होंने पदोन्नति के विकल्प के रूप में उच्च पद का प्रभार देने का निर्णय लेकर कर्मचारियों को साधने का प्रयास किया। प्रकरण अब भी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। अब 2016 के बाद से यह चौथी सरकार है और कर्मचारियों को उम्मीद है कि मोहन यादव की सरकार पदोन्नति में आरक्षण को लेकर कोई ठोस प्रयास कर इसका रास्ता निकालेगी। मध्य प्रदेश के लगभग सात लाख कर्मचारियों का आठ साल से पदोन्नति का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। वैसे इसे लेकर सरकार भी गंभीर नहीं है और दो साल में दो समितियां भी बना चुकी है, पर समितियों की अनुशंसा का लाभ सिर्फ कार्यवाहक पदोन्नति में सिमट गया है। वरिष्ठ पद का प्रभार देने की इस वैकल्पिक व्यवस्था में कर्मचारियों को आर्थिक लाभ से वंचित होना पड़ रहा है। प्रदेश में हर माह औसतन डेढ़ हजार कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे हैं। राज्य सरकार ने दिसंबर 2020 को प्रशासन अकादमी के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। समिति से जनवरी 2021 तक अनुशंसा मांगी थी। तय समय से कुछ दिन बाद समिति ने अपनी अनुशंसा दे दी। इसके बाद सरकार ने 13 सितंबर 2021 को तत्कालीन गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल उपसमिति गठित की। समिति ने अपनी अनुशंसा तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दी। इसके बाद कुछ विभागों में कार्यवाहक पदोन्नति का रास्ता निकाला गया लेकिन यह भी कर्मचारी हित में नहीं है।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण

पिछले लोकसभा चुनाव से पहले जब नरेन्द्र मोदी की सरकार आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव लाई तो जवाब में मध्यप्रदेश की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण चौदह से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया। तेरह प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने से यह पचास प्रतिशत की अधिकतम सीमा को पार कर गया। यह इंदिरा साहनी मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के विपरीत था। इस कारण हाईकोर्ट ने 27 प्रतिशत आरक्षण देने के कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। इस रोक के कारण कर्मचारी चयन मंडल द्वारा ली जाने वाली परीक्षा के परिणाम भी प्रभावित हुए थे। लोकसेवा आयोग को भी कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ा था। देश में आरक्षण पर बहस छिड़ जाने के बाद 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला भी चर्चा में आने लगा है। मध्यप्रदेश सरकार कोर्ट में लंबित मामले के निपटारे के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं कर रही है। हर बार तारीख नई तारीख पर निकल जाती है। जबकि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद पिछड़ा वर्ग से हैं। भाजपा उनका उपयोग बिहार,उत्तर प्रदेश के यादवों के बीच कर रही है। आरक्षण के इस विवाद में यह भी संभव है कि कोई यादव उत्तर प्रदेश में ही यह सवाल मोहन यादव से कर ले कि मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण क्यों कोर्ट में लटका हुआ है? शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री रहते पिछड़ा वर्ग के आरक्षण बढ़ाने का मामला तेजी से क्यों नहीं निपटाया?

विवेक तन्खा ने ठोका है दस करोड़ का दावा

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे के कारण ही स्थानीय निकाय के चुनाव में खूब सियासत हुई। साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर रोक लगा दी थी इस दौरान विवेक तन्खा ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पंचायत और निकाय चुनाव में रोटेशन और परिसीमन को लेकर पैरवी की थी। उस वक्त बीजेपी नेताओं ने विवेक तन्खा को ओबीसी विरोधी बताते हुए उनके खिलाफ बयानबाजी की थी। सोशल मीडिया के साथ ही न्यूज चैनलों में भी बयानबाजी की गई थी और इसके बाद विवेक तन्खा ने भी अपनी सफाई देते हुए बयान जारी किया था और मानहानि करने का आरोप लगाते हुए तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और तत्कालीन मंत्री भूपेन्द्र सिंह से सार्वजनिक माफी मांगने की बात कही थी लेकिन तीनों नेताओं ने माफी नहीं मांगी जिसके बाद विवेक तन्खा कोर्ट में उनके खिलाफ 10 करोड़ रुपए का मानहानि केस दायर किया है। इस मामले में भाजपा नेता अब तक कोर्ट में पेश नहीं हुए हैं।

म.प्र.में 8 दिन चलेगी हीट वेव

10 से 17 मई के बीच भीषण गर्मी का अनुमान

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मई के महीने में 5 से 8 दिन हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चलेंगी। प्रदेश के पूर्वी हिस्से के अलावा ग्वालियर-चंबल में असर ज्यादा रहेगा। वहीं, 10 से 17 मई के बीच और महीने के आखिरी दिनों में भीषण गर्मी पड़ सकती है। (भारत मौसम विज्ञान विभाग) ने यह अनुमान जताया है। मई में प्रदेश में सामान्य से अधिक बारिश भी हो सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से ऐसा होगा।इससे पहले मई के पहले ही दिन प्रदेश के 9 शहरों में दिन का टेम्प्रेचर 40 डिग्री के पार रहा। सबसे गर्म खरगोन रहा। यहां पारा 42.4 डिग्री तक पहुंच गया। आईएमडी, भोपाल ने 3 और 4 मई को गर्म हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

दो दिन यहां चलेगी हीट वेव- 4 और 5 मई को ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चल सकती है। मौसम विभाग ने यह अलर्ट जारी किया है।

मई के पहले दिन गर्मी का असर- मई का पहला दिन बुधवार भी गर्म रहा। खरगोन में पारा सबसे ज्यादा 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खंडवा में भी पारा 42.1 डिग्री रहा।

अवैध शराब के लिए भोपाल के 8 गांवों में घेराबंदी : कुप्पियों में भरी मिली शराब, बहाकर नष्ट की, 5 महिलाएं गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव के चलते आबकारी विभाग कार्रवाई कर रहा है। गुरुवार को भी भोपाल के 8 गांवों में घेराबंदी कर दबिश दी गई। इस दौरान कुप्पियों में अवैध शराब भरी मिली। जिसे बहाकर नष्ट किया गया। मौके से 5 महिलाएं भी गिरफ्तार की गईं। आबकारी विभाग की टीमों ने रतुआ पठार, हर्राखेड़ा, तरावली जोड़, करारिया जोड़, बैरासिया पठार, धमर्रा, हिरनखेड़ी, करणपुरा आदि गांवों में दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। इन गांवों के कुछ लोग हाथ भट्टी की शराब बेचते हैं। लंबे समय से शराब बिक्री की सूचना भी मिल रही थी।

हर बूथ पर 10 प्रतिशत वोट शेयर के लक्ष्य को पूरा करें कार्यकर्ता

कमलनाथ ने मान लिया है कि कांग्रेस की हार पक्की हो गई है : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में लोकसभा चुनाव प्रबंधन टोली की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में लोकसभा के दो चरणों के संपन्न हुए मतदान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित चुनाव प्रबंधन टोली ने बेहतर काम किया है। आने वाली 7 और 13 मई को लोकसभा चुनाव के दो चरणों में हमें और बेहतर काम करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों को प्रचंड बहुमत से जीतकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर उनके हाथ मजबूत करना है। आगामी दो चरणों में होने वाले चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में मतदान कराने के लिए पन्ना प्रमुखों की बड़ी भूमिका होगी।

मतदान कराने और सक्रियता से कार्य करना होगा- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि लोकसभा व विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने का पार्टी का संकल्प है, हमें उसे पूरा करना है। कांग्रेस में निराशा और हताशा व्याप्त है। कांग्रेस के कार्यकर्ता मतदान करने के लिए नहीं निकल रहे हैं। पिछले दो चरणों में हुए मतदान में एक बड़ा कारण यह भी रहा है, लेकिन हमें आने वाले दो चरणों में पहले से ज्यादा सक्रिय होकर

ज्यादा मतदान कराना है।

प्रधानमंत्री जी 7 मई को धार और खरगोन में करेंगे जनसभा को संबोधित- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन में मध्यप्रदेश और जनता के मन में मोदी बसे हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 7 मई को प्रदेश के दौरे पर आएंगे। श्री मोदी जी इस दौरान धार और खरगौन में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाने का काम किया है। डबल इंजन की सरकार में पिछले दस सालों में कई बड़ी सौगातें देकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदेश की जनता के जीवन में बदलाव किया है।

कांग्रेस में आज भी अंग्रेजों के जींस बचे हुए हैं- प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस में आज भी अंग्रेजों के जींस बचे हुए हैं। कांग्रेस हमेशा से फूट डालो और राज करो की नीति पर चलती रही है। अब कांग्रेस कामयाब नहीं होगी। प्रियंका गांधी, राहुल गांधी व कांग्रेस का और कोई बड़ा नेता प्रदेश में चुनाव प्रचार करें इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया है और जनता अब कांग्रेस को अच्छी तरस से समझ चुकी है। राहुल गांधी के मध्यप्रदेश में जहां-जहां पैर पड़े हैं, वहां-वहां कांग्रेस का बंटाढार हो गया है। कमलनाथ ने भी मतदान को लेकर बयान देकर यह सुनिश्चित कर दिया है कि कांग्रेस की हार होने वाली है। प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है कि सभी 29 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जिताकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि 2047 तक भारत विश्व गुरू बन सके और ''सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-विश्वास और सबका-प्रयास'' के भाव से देश में विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ती रहे।

संविधान को लहराकर राहुल गांधी ने अपमान किया- प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि संविधान बचाने की बात राहुल गांधी जगह-जगह करके संविधान का अपमान कर रहे हैं। संविधान के लिए लोगों ने बलिदान दिया, लेकिन राहुल गांधी ने भिंड में चुनावी जनसभा के दौरान संविधान की प्रति को लहराकर संविधान का अपमान किया है।

6 देशों के प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भाजपा को जानें अभियान के तहत गुरूवार को 6 देशों के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा से मुलाकात कर भाजपा की चुनावी रणनीति के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश मीडिया सेंटर का भ्रमण भी किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के प्रयासों से भारतीय जनता पार्टी पूरी दुनिया के दूसरे देशों के राजनैतिक ढांचे को एक-आपस में समझ सकें इसके लिए कार्य कर रही है, जिसमें पार्टी के विदेश विभाग के राष्ट्रीय संयोजक श्री विजय चौथाईवाल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर हम उनका स्वागत करते हैं।

प्रतिनिधिमंडल में श्री अविच पॉलार ओक्कीर (डायरेक्टर, फॉरेन अफेयर्स, नेशनल रिजिस्टेंस पार्टी, युगांडा), श्री उदय शुमशेर जे.बी. राणा (फेडरल पार्लियामेंट सदस्य और केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य, नेपाल), डॉ. जय कांत राउत (अध्यक्ष, नेशनल कौंसिल ऑफ़ जनमत पार्टी, नेपाल), श्री काकुलंडला लियानागे सुमुदु दिलंगा (अध्यक्ष, यंग प्रोफेशनल ऑर्गेनाइजेशन, युएनपी श्रीलंका), श्री एरियल बुलश्टेइन, वकील (प्रभारी, फॉरेन अफेयर्स, लिकूड पार्टी, इजराइल), श्री विजय मखान (इंटरनेशनल रिलेशन्स, मॉरिशियन मिलिटेंट मूवमेंट, मॉरिशस), श्री त्रान थान हुओंग (पॉलिटिकल कौन्सेलर, कम्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम), श्री हो थी होंग हान (प्रथम सचिव, कम्युनिस्ट पार्टी, वियतनाम) शामिल रहे।

भाजपा कार्यकर्ता मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी कार्य करें : डॉ. महेन्द्र सिंह

लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी को मिलकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर देना होगा। भाजपा कार्यकर्ता, चुनाव प्रबंधन से संबंधित टोलियों के पदाधिकारी व सदस्यों को अपने-अपने कार्यों के साथ मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए भी कार्य करना है। डॉ. सिंह ने टोली के सदस्यों को आने वाले दो चरणों में किस तरह से कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी निभानी है इसकी जानकारी देकर पार्टी के करणीय कार्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक व विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश शासन के मंत्री व चुनाव प्रबंधन समिति के सह संयोजक श्री राव उदय प्रताप सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी, वरिष्ठ नेता श्री विनोद गोटिया, प्रदेश मंत्री श्री रजनीश अग्रवाल, श्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल, श्री शैतान सिंह पाल, श्री प्रदीप त्रिपाठी सहित चुनाव प्रबंधन के 38 टोली के सदस्य उपस्थित रहे।